फाल्गुन शुक्ल पक्ष- 4, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 228 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26
भोपाल
21 फरवरी 2026 शनिवार
बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
22.2 अधिकतम
14.6 न्यूनतम

Page-7

न्यूज विंडो

सुपर-8 में आज पाकिस्तान और न्यूजीलैंड का मुकाबला

कोलंबो। टी-20 वर्ल्ड कप में सुपर-8 स्टेज का पहला मैच आज पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। मुकाबला कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में शाम 7 बजे से शुरू होगा। दोनों टीमें ग्रुप स्टेज में अपना आखिरी मैच जीतकर इस राउंड में पहुंचीं। ग्रुप स्टेज में दोनों ही टीमों ने 3-3 मैच जीते और 1-1 मुकाबला गंवाया। पाकिस्तान ने नीदरलैंड, अमेरिका और नामीबिया को हराया। वहीं न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान, यूएई और कनाडा को हराया। पाकिस्तान को भारत ने हराया, वहीं न्यूजीलैंड को साउथ अफ्रीका ने हराया। - विस्तृत खबर पेज 7 पर

अमृतसर में पुलिस चौकी को आईईडी से उड़ाने की साजिश

अमृतसर। अमृतसर देहात के व्यास थाने के अधीन आने वाली पुलिस चौकी रइया को आतंकियों ने देर रात आईईडी लगाकर उड़ने का प्रयास किया। लेकिन किसी तरह आईईडी के बारे में भनक लग जाने के बाद पुलिस ने उसे बरामद कर लिया और आतंकियों के मंसूबे पर पानी फेर दिया। आज तड़के बम्ब डिस्पोजल टीम को बुलाकर आईईडी डिस्पोज कर दिया गया। बड़ी घटना रोकने के बाद पुलिस ने जहां राहत की सांस ली वहीं किसी आतंकी संगठन या गैंगस्टर की तरफ से इसे लेकर किसी तरह की जिम्मेदारी नहीं ली गई है।

हैरी बॉक्सर के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह को धमकी मिलने के मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच तेजी से जांच कर रही है। अब इस मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने बड़ा एक्शन लेते हुए लॉरेंस बिश्नोई गैंग के एक प्रमुख कथित सदस्य हरिचंद्र उर्फ हैरी बॉक्सर के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया है। पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की है कि यह कार्रवाई अभिनेता के मैनेजर को मिले धमकी भरे वॉयस नोट और फिरौती की मांग के संबंध में प्रारंभिक जांच के बाद की गई है।

सीआरपीएफ की बस नहर में गिरी, सात जवान घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर के बाहरी इलाके में आज एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। यहां डगपोरा के अंतर्गत अहमद नगर रोड पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल का एक बुलेटप्रूफ बंकर वाहन अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरा। इस दुर्घटना में सीआरपीएफ के सात जवान घायल हो गए अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसा उस समय हुआ जब सीआरपीएफ का वाहन डगपोरा रोड से गुजर रहा था। अचानक चालक ने गाड़ी पर से नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण बुलेटप्रूफ बंकर सड़क से फिसलकर सीधे साथ लगती नहर में पलट गया। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और प्रशासन ने बचाव कार्य शुरू किया।

आज का कार्टून

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का असर, सभी देशों पर टैक्स की दर फिलहाल एक समान

भारत को राहत... अब 18 नहीं, 10 फीसदी टैरिफ

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की ओर से डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ को अवैध करार दिए जाने के बाद एक बड़ा अपडेट आया है। ट्रंप प्रशासन ने दुनिया के तमाम देशों पर एक नए नियम के तहत 10 फीसदी टैरिफ लगाने की बात कही है। इससे अब भारत भी इसी 10 फीसदी टैरिफ के दायरे में आ गया है।

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की ओर से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दुनिया के तमाम देशों के खिलाफ लगाए गए टैरिफ को अवैध करार दिया गया है। इसके बाद भारत को भी बड़ी राहत मिली है। बीबीसी से व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने हवाले से बताया कि ब्रिटेन, भारत और यूरोपीय संघ सहित अमेरिका के साथ व्यापार समझौते करने वाले देशों को अब धारा 122 के तहत वैश्विक 10 फीसदी टैरिफ का सामना करना पड़ेगा, न कि उस टैरिफ दर का जिस पर उन्होंने पहले बातचीत की थी। इससे भारत पर कुल टैरिफ 18 फीसदी घटकर 10 फीसदी रह जाएगा।

ट्रंप के एलान के बाद यही सवाल उठ रहा था कि भारत जैसे देश जो अमेरिका के साथ ट्रेड डील पर सहमति बना चुके हैं, उनके प्रोडक्ट को इस नए टैरिफ में जगह मिलेगी या नहीं। लेकिन, कुछ ही देर बाद अमेरिका प्रशासन ने स्पष्ट किया कि ट्रेड डील कर चुके या इस पर सहमति बना चुके तमाम देशों पर भी अब एक समान 10 फीसदी टैरिफ लगाया जाएगा। ट्रेड डील के तहत अमेरिका ने यूरोपीय संघ पर 15 फीसदी, जापान पर 15 फीसदी, ब्रिटेन पर 10 फीसदी और भारत पर 18 फीसदी टैरिफ लगाया था। स्विट्जरलैंड और दक्षिण कोरिया पर 15 फीसदी और वियतनाम पर 20 फीसदी टैरिफ की बात कही गई थी। इन सभी देशों या संघों के साथ अमेरिका ने ट्रेड डील कर ली है या फिर डील पर सहमति बन गई है। लेकिन, अब अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद डोनाल्ड ट्रंप के नए आदेश में सभी देशों पर 10 फीसदी टैरिफ की बात कही है। ऐसे में इस आदेश का सबसे ज्यादा फायदा वियतनाम को मिलने वाला है जिसको 20 फीसदी टैरिफ देना था। भारत के प्रोडक्ट्स के खिलाफ टैरिफ 18 से घटकर 10 फीसदी पर आ गया है। हालांकि इससे पहले सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर टिप्पणी के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि भारत के साथ ट्रेड डील है और उसके प्रोडक्ट पर 18 फीसदी टैरिफ लगता रहेगा। लेकिन, अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि 10 फीसदी टैरिफ वाला नया आदेश सभी देशों पर लागू होगा। इसमें वे देश भी शामिल हैं जिनके साथ हमारा ट्रेड डील है। डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ लगाने के फैसले को अवैध करार दिए जाने के बाद अमेरिका में हलचल तेज है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से पूरी दुनिया के कारोबार जगत में उथल-पुथल मची है।

वामपंथियों के पालतू हैं जज: ट्रंप

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर ट्रंप ने कहा कि जज 'कट्टर वामपंथियों के पालतू' हैं। वे देशभक्ति नहीं दिखा रहे हैं और संविधान के प्रति वफादार भी नहीं हैं। जज कुछ लोगों से डरते हैं इसलिए सही फैसला लेना नहीं चाहते। ट्रम्प ने इस फैसले को बहुत निराशाजनक बताया और कहा मुझे अदालत के कुछ लोगों पर शर्म आती है। बिल्कुल शर्म आती है कि उनमें हमारे देश के लिए सही काम करने की हिम्मत नहीं है। उन्होंने उन तीन कंजरवेटिव जजों की तारीफ की, जिन्होंने इस फैसले से असहमति जताई थी। जिन जजों ने टैरिफ को रद्द किया, उनकी आलोचना करते हुए ट्रम्प ने कहा वे हर उस चीज के खिलाफ हैं जो अमेरिका को मजबूत और फिर से महान बनाती है। वे हमारे देश के लिए शर्म की बात हैं। वे हर बार 'ना' कहने वाले जज हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की ब्राजील के राष्ट्रपति लूला से मीटिंग

रेयर अर्थ और एआई ट्रेड डील होने की संभावना

नईदिल्ली. एजेंसी

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा का राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत किया गया। इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। इसके बाद पीएम मोदी और लूला के बीच बातचीत चल रही है जिसमें कई ट्रेड डील पर मुहर लग सकती है।

यह मुलाकात दोनों देशों के बीच व्यापारिक समझौते (ट्रेड डील) को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है, जिसमें क्रिटिकल मिनरल्स, रेयर अर्थ्स, डिफेंस, एनर्जी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसे क्षेत्रों पर खास फोकस है। लूला प्रधानमंत्री मोदी के न्योते पर चार दिन के दौरे पर भारत आए हैं। भारत-ब्राजील संबंधों पर लूला ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार सिर्फ 15 अरब डॉलर है, जिसे 30-40 अरब तक बढ़ाना चाहिए। वे 260 ब्राजीलियाई व्यवसायियों के साथ आए हैं ताकि अंतरिक्ष, रक्षा, फार्मा जैसे क्षेत्रों में साझेदारी हो। एयरोस्पेस कंपनी एम्ब्रेयर भारत में प्लांट खोलेगी। दोनों देश ग्लोबल साउथ के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं और उदाहरण पेश कर सकते हैं। आज दोनों देशों के बीच होने वाली द्विपक्षीय मुलाकात में क्रिटिकल मिनरल्स और रेयर अर्थ्स पर एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर होने की संभावना है।

यह समझौता दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी का एक प्रमुख हिस्सा है, जो ग्लोबल सप्लाई चेन में चीन की निर्भरता कम करने, ग्रीन एनर्जी ट्रांजिशन को सपोर्ट करने और विकासशील देशों की आवाज को मजबूत करने पर केंद्रित है।

राष्ट्रपति भवन में स्वागत के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री मोदी के साथ ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा।

लाल किले के पास धमाके का अलर्ट

लश्कर के निशाने पर हैं चांदनी चौक के मंदिर

नईदिल्ली. एजेंसी

देश की राजधानी दिल्ली एक बार फिर आतंकवादियों के निशाने पर है। खुफिया विभाग के सूत्रों ने एक हाई अलर्ट जारी किया है, जिसमें बताया गया है कि लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के सामने IED हमले की साजिश रच रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान स्थित इस आतंकी संगठन ने चांदनी चौक इलाके में स्थित प्रमुख मंदिरों को भी टारगेट करने की योजना बनाई है। उल्लेखनीय है कि नवंबर 2025 में लाल किले के पास हुए कार ब्लास्ट की जांच अभी चल रही है, जिसमें 13 लोगों की मौत हुई थी।

खुफिया एजेंसियों से जुड़े सूत्रों ने बताया कि लश्कर-ए-तैयबा भारत में बड़ी आतंकी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। सूत्रों का कहना है कि लश्कर ने कश्मीर में बिलाल मस्जिद हमले का बदला लेने के लिए दिल्ली को चुना है, जहां नवंबर 2025 के ब्लास्ट के बाद एक वायरल पोस्ट में लश्कर ने जिम्मेदारी ली थी। उस पोस्ट में कहा गया था, 'नई दिल्ली पर हमला लश्कर-ए-तैयबा के बहादुर शेरों ने किया है। यह कश्मीर में शहीदों का बदला है। हम हर मस्जिद की हर ईंट का बदला लेंगे और हर मंदिर तक पहुंचेंगे।' ताजा अलर्ट में विशेष रूप से चांदनी चौक इलाके के मंदिरों को खतरा बताया गया है। लाल किले से सटे चांदनी चौक में कई प्राचीन मंदिर जैसे दिगंबर जैन मंदिर, गौरी शंकर मंदिर और सीस गंज गुरुद्वारा हैं। ये जगहें रोजाना हजारों श्रद्धालुओं से भरी रहती हैं, जिससे हमले की स्थिति में बड़ा नुकसान हो सकता है। अलर्ट के अनुसार, लश्कर के स्लीपर सेल दिल्ली के लाल किले के मुख्य द्वार के पास भीड़भाड़ वाले इलाके में बेम प्लांट करने की योजना बना रहे हैं। लाल किला पहले भी आतंकी हमलों का शिकार रहा है। दिसंबर 2000 में लश्कर ने लाल किले पर हमला किया था, जिसमें तीन लोग मारे गए थे।

एआई समिट में कांग्रेस के प्रदर्शन का चौतरफा विरोध

राहुल गांधी को काले झंडे दिखाए कांग्रेस मुख्यालय के बाहर नारेबाजी

नईदिल्ली. एजेंसी

यूथ कांग्रेस के एआई समिट में हंगामा करने के विरोध में भाजपा आज दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात और जम्मू-कश्मीर में प्रदर्शन कर रही है।

दिल्ली में कांग्रेस कार्यालय के बाहर भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता 'कांग्रेस-राहुल गांधी–गद्दार', 'देशद्रोही राहुल गांधी माफी मांगे' के पोस्टर लेकर विरोध कर रहे हैं। उधर, मुंबई के मुलुंड में भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के काफिले को काले झंडे दिखाए। वे यहां से भिवंडी जा रहे थे। 2014 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान आरएसएस पर की गई विवादित टिप्पणी के मामले में भिवंडी कोर्ट में शनिवार को उनकी पेशी थी। गुजरात के सूरत में भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस का पुतला जलाया। जम्मू-कश्मीर में भी भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया। दरअसल, 20 फरवरी को दिल्ली स्थित भारत मंडपम में इंडियन यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को एआई समिट 2026 में भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ प्रदर्शन किया।

एक अप्रैल से नकद टोल टैक्स पूरी तरह बंद करने की तैयारी

नईदिल्ली. एजेंसी

देशभर में स्थित नेशनल हाइवे अथॉरिटी के 1150 से अधिक टोल प्लाजाओं पर आगामी एक अप्रैल से टोल का लेन-देन पूरी तरह से डिजिटल करने की तैयारी की जा रही है। इसमें नकद लेनदेन को पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा। ऐसा सिस्टम को और पारदर्शी बनाने के अलावा कैश लेनदेन से टोल प्लाजा पर लगने वाली लाइनों, झगड़ों और ट्रैफिक को आसानी से निकालने के मकसद से किया जाएगा। एनएचएआई अधिकारियों ने बताया कि मौजूदा समय में एनएचएआई की टोल रोड और एक्सप्रेस-वे पर टोल का भुगतान 98 प्रतिशत से अधिक फास्टैग के उपयोग से हो रहा है। टोल लेनदेन का एक बड़ा हिस्सा गाड़ियों में लगे आरएफआईडी-सक्षम फास्टैग के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप से होता है। इसके अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग टोल प्लाजा पर यूपीआई भुगतान सुविधा भी शुरू कर दी गई है। इससे देशभर में राष्ट्रीय राजमार्ग यात्रियों के लिए तेज और आसान डिजिटल भुगतान विकल्प उपलब्ध हो गए हैं। चालू फास्टैग के बिना टोल प्लाजा में प्रवेश करने वालों से दो गुना टोल वसूला जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा... दिल्ली में एक्यूआई घटाने के लिए ग्रीन बेल्ट बढ़ाना जरूरी

नईदिल्ली. एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अधिक पेड़ लगाए जाने से दिल्ली-एनसीआर के AQI में सुधार हो सकता है। यह टिप्पणी अदालत ने रिज इलाके में पेड़ों की कटाई की भरपाई के लिए चलाए जा रहे प्लांटेशन कार्यक्रम की निगरानी हेतु एक्सपर्ट कमिटी के पुनर्गठन से संबंधित आदेश पारित करते समय की। मामले को सूचीबद्ध करने पर सहमति जताते हुए चीफ जस्टिस ने कहा, यह दिल्ली के AQI से कुछ हद तक संबंधित है। इसमें आपसी संबंध है। इसका प्रभाव पड़ेगा। सुधार के लिए प्रयास कर रहे हैं, तो ग्रीन कवर बढ़ाना सबसे प्रैक्टिकल, प्रभावी और दीर्घकालिक समाधान में से एक है।

मेट्रो एंकर

जनरल नरवणे की अप्रकाशित आत्मकथा को लेकर मचे बवाल का साइड इफेक्ट

किताब लिखने के लिए 20 साल का 'कूलिंग ऑफ पीरियड' तय होगा!

नईदिल्ली. एजेंसी

पूर्व सेना प्रमुख जनरल नरवणे की अप्रकाशित आत्मकथा 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' को लेकर मचे बवाल के बाद सरकार कुछ महत्वपूर्ण कदम उठा सकती है। इसके तहत सेना और सरकार से जुड़े वरिष्ठ पदों पर रहे अधिकारियों के लिए रिटायरमेंट के बाद किताब लिखने को लेकर सख्त नियम लाया जा सकता है।

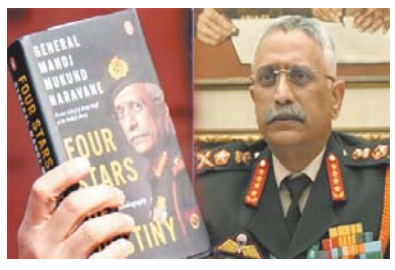

सूत्रों के अनुसार एक प्रस्ताव पर मंथन चल रहा है जिसके तहत रिटायरमेंट के बाद कम से कम 20 साल का 'कूलिंग-ऑफ पीरियड' रखा जाए। इस अवधि के पूरा होने से पहले महत्वपूर्ण पदों पर रहे अधिकारी अपनी किताब या संस्मरण प्रकाशित नहीं कर सकेंगे। इस संबंध में जल्द ही औपचारिक आदेश जारी हो सकते हैं। यह पूरा घटनाक्रम पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित आत्मकथा को लेकर चल रहे राजनीतिक विवाद के बीच सामने आया है। इस किताब में अगस्त 2020 में पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन सैन्य टकराव के दौरान की घटनाओं का उल्लेख है। नरवणे की किताब को लेकर विवाद तब और बढ़ गया, जब लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सदन में इस आत्मकथा का हवाला देने की कोशिश की। सरकार ने इस पर कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि किताब अभी प्रकाशित ही नहीं हुई है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में यह मुद्दा चर्चा में आया था। सामान्य चर्चा के दौरान कई मंत्रियों ने राय दी कि प्रभावशाली पदों पर रहे लोगों के लिए रिटायरमेंट के बाद किताब लिखने से पहले एक लंबा कूलिंग-ऑफ पीरियड जरूरी होना चाहिए। सूत्रों ने बताया कि इस पर सरकार गंभीरता से विचार कर रही है।

सरकार और विपक्ष के बीच बहस तेज

विवाद बढ़ने के बाद प्रकाशक ने साफ कर दिया था कि वह अवैध ढंग से अप्रकाशित किताब को प्रसारित करने की गतिविधियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगा। बताया जाता है कि जनरल नरवणे की यह किताब जनवरी 2024 में प्रकाशित होनी थी। इससे पहले दिसंबर 2023 में समाचार एजेंसी पीटीआई ने इसके कुछ अंश प्रकाशित भी किए थे। उसी दौरान नरवणे ने सोशल मीडिया पर यह भी लिखा था कि उनकी किताब उपलब्ध है और इसके लिए एक ऑनलाइन प्री-ऑर्डर लिंक साझा किया था। अब इन्हीं तथ्यों को लेकर सरकार, विपक्ष और सुरक्षा तंत्र के बीच बहस और तेज हो गई है।

चार दिन आंधी-बारिश का अलर्ट

भोपाल। प्रदेश में 4 दिन आंधी-बारिश का दौर जारी रहेगा। शुक्रवार को साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) और ट्रफ लाइन की एक्टिविटी की वजह से प्रदेश के 20 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। वहीं आज भी बादल छाए हुए हैं। नए सिस्टम की वजह से 23 और 24 फरवरी को फिर मौसम बदलेगा। ये सिस्टम दक्षिण-पूर्वी जिलों में ज्यादा असर दिखाएगा। प्रदेश में 3 दिन से आंधी-बारिश वाला मौसम है। कुछ जिलों में ओले भी गिरे हैं। 24 घंटे के दौरान भोपाल, रतलाम, मंदसौर, शाजापुर, धार, इंदौर, रायसेन, उज्जैन, सागर, छतरपुर, शाजापुर समेत 20 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। तेज आंधी की वजह से रतलाम, शाजापुर, उज्जैन में फसलों पर असर पड़ा है। यहां गेहूं की फसलें आड़ी हो गई हैं। इस वजह से दानों पर असर पड़ेगा और किसानों की मुश्किलें बढ़ेंगी। तीन दिन में 25 जिलों में आंधी की वजह से फसलों को नुकसान पहुंचने का अनुमान है। ऐसे में सरकार ने भी सर्वे शुरू कर दिया है। राजस्व अमला मैदान में उतरकर प्रभावित फसलों का सर्वे कर रहा है।

एम्स में मरीजों को एआई बताएगा रास्ता ऐसा करने वाला देश का पहला अस्पताल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल एम्स अब देश का पहला ऐसा अस्पताल बनने जा रहा है, जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई, मरीजों और उनके परिजन को रास्ता बताएगा। रोजाना 10 हजार से ज्यादा लोग इस परिसर में इलाज, जांच और परामर्श के लिए पहुंचते हैं। एक जैसी दिखने वाली इमारतों और बड़े कैंपस के कारण लोग अक्सर भटक जाते हैं। इसी समस्या को दूर करने के लिए अब गूगल मैप की तरह मोबाइल पर ही पूरा नेविगेशन मिलेगा। डिप्टी डायरेक्टर संदेश जैन बताते हैं कि क्यूआर कोड स्कैन करते ही मरीज को यह पता चल जाएगा कि कार्डियोलॉजी, अमृत फार्मेसी, न्यूरो सर्जरी, पैथोलॉजी, एमआरआई या डॉक्टर का कक्ष आखिर किस दिशा में है।

बिल्डिंग की डिजाइन ऐसी कि एआई का सहारा लेना पड़ा

भोपाल एम्स का परिसर काफी बड़ा है। अस्पताल भवनों की अंदरूनी बनावट एक जैसी है। अलग-अलग ब्लॉक हैं, लेकिन सब एक जैसे नजर आते हैं, रास्ते भी एक जैसे हैं। ऐसे में बार-बार आने पर भी मरीजों और उनके परिजन को सही विभाग तक पहुंचने में परेशानी होती है। वहीं, पहली बार आने वाले मरीजों का पैथोलॉजी, एमआरआई, ओपीडी या वार्ड ढूंढ़ने में

रोजाना 10 से 12 हजार लोगों को होगा फायदा

ही काफी समय लग जाता है। बार-बार स्टाफ या सुरक्षाकर्मियों से रास्ता पूछना पड़ता है। इससे न केवल समय बर्बाद होता है, बल्कि मरीज और परिजन तनाव भी महसूस करते हैं। इसलिए अब इस समस्या को दूर करने के लिए एआई का सहारा लिया जा रहा है।

क्यूआर कोड और मोबाइल ऐप से मिलेगा रास्ता

इस प्रणाली के दो स्वरूप होंगे। पहला वेब आधारित होगा। एम्स के मुख्य प्रवेश द्वार और प्रमुख स्थानों पर क्यूआर कोड लगाए जाएंगे। जैसे ही कोई व्यक्ति क्यूआर कोड स्कैन करेगा, उसके मोबाइल पर इंटरैक्टिव मैप खुल जाएगा। दूसरा स्वरूप मोबाइल ऐप आधारित होगा। यूजर ऐप डाउनलोड कर सीधे नेविगेशन का लाभ ले सकेंगे। भवनों के बीच पहुंचने के लिए जीपीएस तकनीक का उपयोग होगा। भवनों के अंदर, जहां जीपीएस की सटीकता कम हो जाती है, वहां हर 15 मीटर पर रिले सिस्टम लगाए जाएंगे। ये उपकरण मोबाइल को सटीक दिशा-निर्देशन देंगे, जिससे व्यक्ति बिना भटके सही जगह पहुंच सकेगा।

एक माह का पायलट, फिर पूरे परिसर में लागू

इस प्रोजेक्ट को शुरुआत में एक माह के पायलट की तरह लागू किया जाएगा। इस दौरान यह देखा जाएगा कि सिस्टम कितना प्रभावी है और लोगों को कितना फायदा हो रहा है। यदि रिजल्ट संतोषजनक रहे तो इसे पूरे परिसर में लागू किया जाएगा। इससे मरीजों का समय बचेगा, भीड़ का दबाव कम होगा और स्टाफ पर रास्ता बताने का अतिरिक्त बोझ भी घटेगा।

एआई आधारित नेविगेशन सिस्टम

इसी समस्या को दूर करने के लिए एम्स भोपाल ने आईआईटी इंदौर की दृष्टि टीम के साथ मिलकर स्मार्ट मार्गदर्शन प्रणाली विकसित करने की पहल की है। भोपाल के एक स्टार्टअप की मदद से एआई आधारित नेविगेशन सिस्टम तैयार किया जा रहा है। यह सिस्टम गूगल मैप की तरह काम करेगा। एम्स के मोबाइल एप या परिसर में लगाए गए क्यूआर कोड को स्कैन करने के बाद व्यक्ति जिस स्थान पर जाना चाहता है, उसे सर्च करेगा। इसके बाद एआई उसे चरणबद्ध तरीके से सही रास्ता दिखाएगा।

भोपाल मंडल और एडब्ल्यूपीओ के बीच एमओयू

56 पूर्व सैनिक बनेंगे पॉइंट्समैन पन्द्रह दिन में शुरू होगी तैनाती

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पश्चिम मध्य रेलवे का भोपाल मंडल अब पूर्व सैनिकों को रेलवे सेवा से जोड़ने की दिशा में बड़ी पहल करने वाला पहला मंडल बन गया है। मंडल ने स्टेशनों पर पॉइंट्समैन के पदों पर एक्स-सर्विसमैन की तैनाती के लिए एडब्ल्यूपीओ के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत भोपाल मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर 56 पूर्व सैनिकों को पॉइंट्समैन के रूप में नियुक्त किया जाएगा। रेलवे प्रशासन के मुताबिक चयनित जवानों की भौतिक तैनाती आगामी 15 दिनों के भीतर शुरू कर दी जाएगी। इस समझौते के साथ भोपाल मंडल, वेस्ट सेंट्रल रेलवे का पहला ऐसा मंडल बन गया है, जिसने पूर्व सैनिकों की नियुक्ति के लिए इस तरह का एमओयू किया है। रेलवे अधिकारियों का मानना है कि यह कदम न सिर्फ पूर्व सैनिकों के पुनर्वास की दिशा में महत्वपूर्ण है, बल्कि रेल परिचालन और संरक्षा को भी मजबूती देगा। समझौता ज्ञापन पर मंडल की ओर से वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक रोहित मालवीय और वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी विजय सिंह ने हस्ताक्षर किए। वहीं एडब्ल्यूपीओ की ओर से सेवानिवृत्त कर्नल मुकेश कुमार तिवारी ने

दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि सेना से सेवानिवृत्त जवान अनुशासन, जिम्मेदारी और कार्यकुशलता के लिए पहचाने जाते हैं। ऐसे में उनकी नियुक्ति से स्टेशनों पर पॉइंट्स संचालन में दक्षता बढ़ेगी और सुरक्षा मानकों को और सुदृढ़ किया जा सकेगा। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया के मुताबिक यह समझौता दोनों संगठनों के बीच दीर्घकालिक और परिणामदायी सहयोग की दिशा में अहम कदम है। इससे रेलवे और पूर्व सैनिक दोनों को लाभ मिलेगा।

मांगों को लेकर 30 हजार कर्मियों का आंदोलन शुरू

23-24 फरवरी को मध्यप्रदेश के संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी करेंगे हड़ताल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने अपनी 9 मांगों को लेकर आंदोलन शुरू कर दिया है। प्रदेश के 30 हजार से अधिक आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी काली पट्टी बांधकर अपने अपने कार्यस्थलों पर सेवाएं दे रहे हैं। इसके बाद 23 और 24 फरवरी को सामूहिक हड़ताल करते हुए राजधानी भोपाल में हल्ला बोल नाम से प्रदर्शन किया जाएगा। संघ का कहना है कि सालों से सेवाएं देने के बावजूद कर्मचारियों का स्थायीकरण नहीं किया गया, जिससे प्रदेशभर में आक्रोश की स्थिति है।

12 से 14 घंटे सेवा, फिर भी असुरक्षित भविष्य

संघ के अनुसार प्रदेश के शासकीय मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल, सिविल अस्पताल, सामुदायिक

स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, शहरी स्वास्थ्य केंद्र, संजीवनी क्लिनिक और पोषण पुनर्वास केंद्रों में आउटसोर्स कर्मचारी 12 से 14 घंटे तक कार्य करते हैं। कर्मचारियों का दावा है कि वे अस्पतालों की रीढ़ की हड्डी की तरह काम करते हैं, इसके बावजूद उन्हें स्थायी दर्जा या भविष्य की सुरक्षा नहीं दी गई है। संघ का आरोप है कि सरकार की दोहरी और दमनकारी नीति के कारण अधिकारियों एवं निजी आउटसोर्स एजेंसियों द्वारा लगातार शोषण हो रहा है। कई बार ज्ञापन और प्रदर्शन के माध्यम से शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया गया, लेकिन कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। इसी के विरोध में अब चरणबद्ध आंदोलन का रास्ता अपनाया गया है।

ये हैं प्रमुख मांगें

संघ की प्रमुख मांगों में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत सेवाएं दे चुके कर्मचारियों का तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों पर समायोजन या संविदा में बिना शर्त विलय, न्यूनतम 21 हजार रुपए वेतन, 11 माह के एरियर का भुगतान, निजी एजेंसियों को ब्लैकलिस्ट कर सीधे खातों में वेतन, शासकीय छुट्टियां, नियमित भर्ती में 50 प्रतिशत आरक्षण, स्वास्थ्य बीमा और ग्रेच्युटी का लाभ शामिल है। संघ की प्रदेश अध्यक्ष कोमल सिंह ने कहा कि यदि मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

राहुल गांधी का पुतला जलाया

भोपाल। शिवाजी चौराहे पर भाजपा के अजय पाटीदार के नेतृत्व में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का पुतला दहन किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल के इशारे पर ही युवा कांग्रेस ने एआई समिट में प्रदर्शन किया।

कमलापति-अगरतला ट्रेन का न्यू अलीपुरद्वार स्टेशन पर ठहराव

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

रेल प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रानी कमलापति-अगरतला स्पेशल ट्रेन का न्यू अलीपुरद्वार स्टेशन पर ठहराव दिया है। अगरतला से 22 फरवरी को प्रस्थान करने वाली उक्त ट्रेन का न्यू अलीपुरद्वार स्टेशन पर 02 मिनट का अतिरिक्त प्रायोगिक ठहराव रहेगा। 01665 रानी कमलापति से जाते समय 21.47 बजे एवं वापसी में 01666 अगरतला से आते समय न्यू अलीपुरद्वार स्टेशन पर रात 11.23 बजे ठहराव होगा। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि इस ठहराव से संबंधित क्षेत्रों के यात्रियों को सुविधा होगी।

26 और 27 से चलेगी डॉ. अम्बेडकर नगर-पटना होली स्पेशल ट्रेन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

यात्रियों की सुविधा के लिए डॉ. अम्बेडकर नगर-पटना होली स्पेशल ट्रेन दोनों दिशाओं में वीकली 05-05 ट्रिप संचालित होगी। इस ट्रेन का आरक्षण शुरू हो गया है। यह गाड़ी डॉ. अंबेडकर नगर से 26 फरवरी से प्रत्येक गुरूवार को 18 बजे प्रस्थान कर 22.48 बजे संत हिरदाराम नगर होकर अगले दिन 18.30 बजे पटना पहुंचेगी। वही पटना से 27 फरवरी से प्रत्येक शुक्रवार को 21.30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 19.03 बजे संत हिरदाराम नगर होकर 23.55 बजे डॉ अम्बेडकर नगर पहुंचेगी।

मेट्रो एंकर मप्र नाट्य विद्यालय के छात्रों ने दी अकाल, विद्रोह और राष्ट्रधर्म की प्रभावी प्रस्तुति

'आनंदमठ' में गूंजा 'वंदे मातरम्' का उद्घोष

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भारत भवन में आयोजित संध्या इतिहास, साहित्य और राष्ट्रचेतना के अद्भुत संगम की साक्षी बनी। इस अवसर पर प्रस्तुत नाट्यकृति 'आनंदमठ' ने दर्शकों को अठारहवीं शताब्दी के अकालग्रस्त बंगाल में ले जाकर न केवल करुण यथार्थ से परिचित कराया, बल्कि राष्ट्रभक्ति की उस ज्वाला को भी पुनर्जीवित किया, जिसने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की आधारभूमि तैयार की थी। महान साहित्यकार बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के कालजयी उपन्यास आनंदमठ पर आधारित यह प्रस्तुति कलात्मक संवेदना और वैचारिक गंभीरता से परिपूर्ण रहा। नाटक का

निर्देशन संजय श्रीवास्तव ने किया जिसकी प्रस्तुति मप्र नाट्य विद्यालय के छात्रों ने दी। नाटक का आरंभ बंगाल के भीषण अकाल के मार्मिक दृश्य से होता है। मंच पर प्रकाश और ध्वनि के संयोजन से निर्मित सूखा, भूख और भय का वातावरण दर्शकों को भीतर तक विचलित करता है। लगभग 90 मिनट अवधि की प्रस्तुति में निर्णायक मोड़ तब आता है जब सैनिक महेंद्र को पकड़ लेते हैं और कल्याणी जंगल में भटक जाती है। यहां संन्यासी भवानंद का प्रवेश नाटकीय उत्कर्ष रचता है। कलाकार ने भवानंद के धीर-गंभीर व्यक्तित्व को संयत संवाद-अभिनय और दृढ़ देह-भाषा के माध्यम से प्रभावशाली बनाया। अंग्रेज अफसर की हत्या और लूटे गए धन को अकालपीड़ितों के हित में लगाने का दृश्य दर्शकों के भीतर विद्रोह और न्याय-बोध का संचार करता है। नाटक का सर्वाधिक प्रभावी क्षण वह था जब पहली बार 'वंदे मातरम' की स्वर-लहरी मंच पर गूंजी।

वंदे मातरम् गीत नहीं, राष्ट्रचेतना का उद्घोष

सामूहिक गायन, पृष्ठभूमि में आलोकित भारतमाता की प्रतीकात्मक छवि और प्रकाश की स्वर्ण आभा ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान की। 'सुजलां सुफलां, मलयज शीतला' की ध्वनि के साथ एक नारी का देवी-स्वरूप में रूपांतरण, मातृभूमि की अवधारणा को दृश्यात्मक अर्थ देता है। यह केवल गीत नहीं, राष्ट्रचेतना का उद्घोष प्रतीत हुआ। वंदे मातरम् के यह शब्द अपनी 150 वर्ष की यात्रा पूर्ण कर राष्ट्रजीवन में आज भी उतनी ही ऊर्जा भर रहा है। इसी राष्ट्रव्यापी उत्सवधर्मी वातावरण की प्रेरणा से इस प्रस्तुति को आकार दिया गया।

शहरों की अगली दौड़ 'एआई-रेडी इंफ्रा' से तय होगी : मीक

भोपाल। देश में चल रहे इंडिया-एआई इंपैक्ट समिट 2026 के बीच यह साफ हो गया है कि आने वाले वर्षों में निवेश और नौकरियां उसी जगह तेज़ होंगी जहां डेटा, कंप्यूट, एनर्जी और त्वरित अनुमतियों का भरोसेमंद सिस्टम जमीन पर मौजूद हो। क्रेडाई के अध्यक्ष मनोज मीक ने बताया कि समिट के दौरान देश में मेगा-स्केल एआई-डेटा-सेंटर निवेश और साझेदारियों की घोषणाएँ सामने आई हैं रिलायंस-जियो ने अगले वर्षों में एआई-डेटा इन्फ्रा पर बड़ा निवेश संकेत दिया, और ओपनएआई-टीसीएस, गूगल-अड़ानी जैसी पार्टनरशिप से भारत में स्केलेबल एआई इंफ्रा की दिशा दिखी है। मीक ने बताया कि यूनियन बजट 2026-27 में एआई-कंप्यूट पर स्पष्ट केंद्रीय संकेत दिखाई देते हैं। इंडिया एआई मिशन पर 1000 करोड़ का प्रावधान। मिशन स्तर पर कुल कमिटमेंट 10,300 करोड़। भारतजेन को 235 करोड़ का सपोर्ट। कंप्यूट स्केलिंग के लिए मौजूदा 38,000 जीपीयू के आगे 20,000 हाई-एंड जीपीयू जोड़ने की बात; स्टार्टअप, इनोवेटर के लिए सब्सिडाइज़्ड कंप्यूट एक्सेस। क्लाउड और एआई डेटा सेंटर्स को 2047 तक टैक्स-हॉलिडे जैसे संकेत। इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट्स में बढ़ी हुई अलोकेशन डिजिटल इंफ्रा और सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को तेज़ करने का संकेत। विभाग ग्रीन-पावर, ग्रिड अपग्रेड, इंडस्ट्रियल फीडर आदि पर फोकस करके डेटा सेंटर, कंप्यूट क्लस्टर से लिंक कर सकता है।

आयोजन के 50 साल , नटराज थीम पर केन्द्रित महोत्सव में सीएम बोले

खजुराहो ऐसा स्थान जहां पत्थरों में बसते हैं प्राण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि खजुराहो नृत्य समारोह हमारी राष्ट्रीय धरोहर है। खजुराहो ऐसा स्थान है जहां पत्थरों में प्राण होते हैं। खजुराहो में स्थित कंदरिया महादेव मंदिर, चतुर्भुज मंदिर, वामन मंदिर, चित्रगुप्त मंदिर, पार्वती मंदिर सहित देवालयों के परिवार विद्यमान हैं। शौर्य और रत्नों की धरती में कलाओं का संगम है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व धरोहर स्थल खजुराहो में प्रारंभ हुए शास्त्रीय नृत्यों के 7 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय नृत्य समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा संबोधित किया।

उन्होंनें कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आदि संस्कृति के साथ सनातन संस्कृति को जोड़ने की दिशा में आह्वान किया है। मध्यप्रदेश सरकार विविध कलाओं के विकास के लिये प्रतिबद्ध है। इसलिए मध्यप्रदेश के बजट में संस्कृति विभाग की गतिविधियों के लिये भी राशि में वृद्धि की गई है। सीएम ने कहा कि खजुराहो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय धरोहर है। इस वर्ष 52वाँ खजुराहो नृत्य समारोह भगवान नटराज को समर्पित किया गया है, जिसके लिये संस्कृति विभाग बधाई का पात्र है। सीएम ने कहा कि खजुराहो नृत्य समारोह का आयोजन भारतीय शास्त्रीय नृत्य की समृद्ध परंपरा को देव नटेश भगवान शिव से जोड़ने का यह अनूठा प्रयास है। मध्यप्रदेश में पधारने वाले कला साधक पुन- यहां आना चाहते हैं।

कथक नृत्य से हुआ महोत्सव का आगाज

उल्लेखनीय है कि संस्कृति विभाग एवं उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी द्वारा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर, मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग एवं जिला प्रशासन — छतरपुर के सहयोग से सात दिवसीय प्रतिष्ठापूर्ण समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव, संस्कृति विभाग शिवशेखर शुक्ला, संचालक संस्कृति एन.पी. नामदेव, कलेक्टर छतरपुर पार्थ जायसवाल एवं उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी के निदेशक प्रकाश सिंह ठाकुर भी उपस्थित रहे।

शुभारंभ दिवस पर पहली प्रस्तुति संगीत नाटक अकादमी अवॉर्डी सुमैत्रेयी पहाड़ी एवं साथी, दिल्ली द्वारा कथक नृत्य की हुई। सुविख्यात नृत्यांगना एवं कोरियोग्राफर मैत्रेयी पहाड़ी ने प्रतिष्ठा : शाश्वत तत्वों का आह्वान नृत्यनाटिका की प्रस्तुति दी। यह आह्वान पंचतत्व — पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश — को समर्पित है, वही शक्तियां जो जीवन और सृष्टि को धारण करती हैं। मृदुल गतियों और भावपूर्ण अभिव्यक्ति के माध्यम से नर्तक—नृत्यांगनाएं इन शाश्वत तत्वों को साकार करते हैं, जो संतुलन, ऊर्जा और सामंजस्य का प्रतीक हैं। इस पवित्र आरंभ से यात्रा धीरे-धीरे भगवान कृष्ण की दिव्य उपस्थिति की ओर ले जाती है — धर्म, प्रेम और करुणा के शाश्वत पथप्रदर्शक, जो प्रत्येक तत्व और प्रत्येक हृदय में विद्यमान हैं।

स्वप्न में शिव के अनेक रूप

कथक के शास्त्र के पश्चात चेन्नई की सुअनुराधा वेंकटरमन ने भरतनाट्यम नृत्य प्रस्तुति का प्रारंभ मंगलाचरण से किया, जिसमें उन्होंने स्वप्न में भगवान शिव के भव्य प्रवेश का दृश्य प्रस्तुत किया। यह रचना ललगुड़ी आर. श्रीगणेश द्वारा राग हंसध्वनि और आदि ताल में संयोजित की गई है। इस प्रस्तुति में नायिका अपने स्वप्न में शिव को विभिन्न रूपों में देखती है। इस खंड के पद गोस्वामी तुलसीदास की काव्य रचनाओं से लिए गए हैं, जिन्हें दीप्थि श्रीनाथ ने संगीतबद्ध किया है।

बिजली दरों में 10.2 फीसदी वृद्धि का प्रस्ताव

23 से 26 फरवरी तक नियामक आयोग हाइब्रिड मोड में करेगा जनसुनवाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में 1 अप्रैल 2026 से बिजली की दरों में 10.2 प्रतिशत वृद्धि के प्रस्ताव पर विद्युत नियामक आयोग 23 फरवरी से 26 फरवरी तक जनसुनवाई आयोजित करेगा। यह जनसुनवाई हाइब्रिड मोड में होगी, जिसमें उपभोक्ता ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से या भोपाल स्थित आयोग के कोर्ट कक्ष में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे। आयोग ने स्पष्ट किया है कि जिन उपभोक्ताओं ने लिखित आपत्तियां पहले ही प्रस्तुत कर दी हैं, वे निर्धारित तिथि पर अपने पक्ष को विस्तार से रख सकते हैं।

दरों में 15 फीसदी कमी की गुंजाइश - अग्रवाल- विद्युत मामलों के विशेषज्ञ और अधिवक्ता राजेंद्र अग्रवाल ने बताया कि वर्तमान

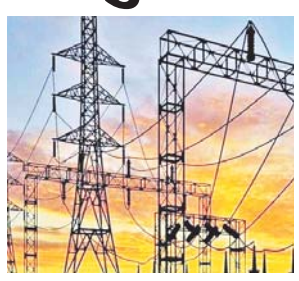

परिस्थितियों में बिजली दरों में वृद्धि की बजाय लगभग 15 प्रतिशत तक कमी संभव है। उन्होंने दावा किया कि इसके समर्थन में दस्तावेजी साक्ष्य उपलब्ध हैं। अग्रवाल 23 फरवरी को सत्यापन याचिका 2024-25 की सुनवाई में तथा 24 फरवरी को पूर्व क्षेत्र की जनसुनवाई में आयोग के समक्ष व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपना पक्ष मजबूती से रखेंगे। उन्होंने उपभोक्ताओं से भी अपील की है कि वे जनसुनवाई में भाग लेकर अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाएं।

9 लाख से अधिक लोगों को मिल रही मुफ्त बिजली

राज्य सरकार द्वारा बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं को मुफ्त या रियायती दर पर बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। जानकारी के अनुसार प्रदेश में करीब 9 लाख 30 हजार उपभोक्ताओं को निशुल्क बिजली का लाभ मिल रहा है। इसके अलावा अटल गृह ज्योति योजना के तहत लगभग एक करोड़ हितग्राहियों को लाभ दिया जा रहा है, जबकि अटल कृषि ज्योति योजना के अंतर्गत करीब 26 लाख किसानों को रियायती दर पर बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। यह जानकारी हाल ही में सरकार ने विधानसभा में दी है।

दोहरी नीति: शिक्षा के तीन विभागों मे प्रदेश सरकार के नियम अलग

15 सालों से सरकारी आईटीआई में पढ़ा रहे गेस्ट टीचर सड़क पर आने को मजबूर

अतिथि शिक्षकों को नियमित भर्ती में नहीं मिल रहा आरक्षण का लाभ

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के शिक्षण संस्थानों में पढ़ा रहे अतिथि शिक्षकों के लिए एक ही सरकार अलग - अलग नियम लागू कर रही है। चाहे स्कूल शिक्षा हो या उच्च शिक्षा ,जब भी नियमित भर्ती की प्रक्रिया होती है वहां पढ़ा रहे गेस्ट टीचर्स को उम्र सीमा में छूट देते हुए भर्ती में आरक्षण दिया जाता है। लेकिन सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (ITI) को सालों साल अपनी सेवाएं देने वाले करीब 900 गेस्ट टीचर्स को बेसहारा छोड़ दिया गया है। इससे वे सड़क पर आने को मजबूर हैं। हाल ही में आईटीआई के लिए 1120 प्रशिक्षण अधिकारियों की नियमित भर्ती करने की प्रक्रिया शुरू हुई है। इसमें 15 वर्षों से न्यूनतम मानदेय पर काम कर रहे ये शिक्षकों को कोई जगह नहीं दी गई है।

स्कूल शिक्षा विभाग की भर्ती में अतिथि शिक्षकों को 50 फ़ीसदी आरक्षण दिया जाता है। इसी तरह उच्च शिक्षा विभाग के तहत कॉलेजों में पढ़ा रहे शिक्षकों के लिए 25 फ़ीसदी स्थान रखे जाते हैं। इसमें भी उम्र का कोई बंधन नहीं रहता। लेकिन समान काम करने वाले आईटीआई के अतिथि शिक्षकों के साथ समान व्यवहार क्यों नहीं हो रहा , यह सवाल पूछा जा रहा है। अब इस मुद्दे पर आईटीआई के टीचर्स सड़क पर आरपार की लड़ाई लड़ने की तैयारी

फाइलों में दफन संविदा नीति

हैरानी की बात यह है कि तत्कालीन विभागीय मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया के कार्यकाल में इन अतिथि शिक्षकों को संविदा नीति में शामिल करने की योजना बनी थी। ड्राफ्ट तैयार हुआ, उम्मीदें जगीं, लेकिन वह योजना आज तक लागू नहीं हो सकी। वर्तमान विभागीय मंत्री माननीय गौतम टेटवाल को भी दर्जनों ज्ञापन दिए, लेकिन सिवाय आश्वासनों के इन मेहमान प्रवक्ताओं के हाथ कुछ नहीं लगा। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी इन गेस्ट टीचर्स को उच्च और स्कूल शिक्षा की तरह लाभ देने की बात कही थी जिस पर अमल नहीं हो रहा है।

कर रहे हैं। अतिथि शिक्षकों का स्पष्ट आरोप है कि सरकार दोहरी नीति अपना रही है। अतिथि शिक्षकों का कहना है कि हमने अपने महत्वपूर्ण15 साल विभाग को तब दिए, जब विभाग के पास स्टाफ नहीं था। हमने आईटीआई को जीवित रखा। आज जब नियमित भर्ती की बारी आई, तो हमें कचरे की तरह बाहर फेंका जा रहा है। बड़ी संख्या में शिक्षक ओवर-एज होने की कगार पर हैं। बिना किसी अनुभव लाभ के वे नई उम्र के अभ्यर्थियों से सीधी प्रतिस्पर्धा कैसे करेंगे। वे सवाल उठा रहे हैं कि क्या मुख्यमंत्री का स्वर्णिम मध्यप्रदेश इन 900 परिवारों को बेरोजगार करके बनेगा। अगर सरकार ने तुरंत मांगों पर विचार नहीं किया सड़कों पर लड़ाई लड़ने को मजबूर होंगे।

अतिथि शिक्षकों ने निकाली गई नियमित भर्ती में ?50 प्रतिशत पदों का आरक्षण स्कूल शिक्षा की तर्ज पर देने की मांग की है। साथ ही प्रत्येक वर्ष की सेवा के बदले बोनस अंक निर्धारित किए जाएं। उनका कहना है कि 15 वर्षों से कार्यरत शिक्षकों के लिए आयु सीमा का बंधन खत्म किया जाना चाहिए। प्रस्तावित संविदा नीति को तत्काल प्रभाव से लागू कर भविष्य सुरक्षित किया जाए।

कैलाश विजयवर्गीय ने विधानसभा में की घोषणा

प्रदेश में वर्षों से रह रहे लोगों की लीज का होगा नवीनीकरण, नियम में भी संशोधन

कांग्रेस के डॉ. हीरालाल अलावा और भाजपा के अभिलाष पांडेय ने पूछा था प्रश्न

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राज्य सरकार ने समय-समय पर कहीं व्यापार तो कहीं आवासीय परियोजना के लिए भूमि लीज पर दी। परिवार बड़े हो गए और बंटवारा हो गया। एक भूमि के दो हिस्सों में निर्माण कर लिया गया। जब लीज का नवीनीकरण कराने लोग जाते हैं तो मूल स्वरूप न होने के कारण नहीं हो पाता है। यह समस्या सभी जगह है। अब चूंकि, लंबे समय से लोग रह रहे हैं या कारोबार कर रहे हैं तो ऐसे में हटाना तो व्यावहारिक नहीं होगा इसलिए नियम में संशोधन करके ऐसा रास्ता निकालेंगे कि संबंधित निकाय की आय भी बढ़े और नवीनीकरण भी हो जाए। यह घोषणा नगरीय विकास

एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने शुक्रवार को विधानसभा में कांग्रेस के डॉ. हिरालाल अलावा और भाजपा के अभिलाष पांडेय के प्रश्न के उत्तर में की। डॉ. हिरालाल अलावा ने मनावर नगर पालिका परिषद की भूमि को अवैध तरीके से हस्तांतरित किए जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि अवैध तरीके से लीज की जमीन हस्तांतरित हुई। जांच में तत्कालीन नगर पालिका अध्यक्ष, सीएमओ और अन्य कर्मचारी दोषी पाए गए लेकिन चार वर्ष में भी अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई।

व्यावहारिक कठिनाइयों को देखते हुए बनेगी नई नीति

कैलाश विजयवर्गीय ने यह बताया कि समस्या मनावर सहित झाबुआ और कुक्षी में भी है। पहले यहां पर व्यवसाय नहीं होता था तो बाहर से व्यापारियों को बुलाकर एक रुपये में 30 साल के लिए लीज पर कुछ जमीनें दी थीं। इसके बाद नवीनीकरण नहीं हुआ। आज वहां तीसरी पीढ़ी रह रही है। उस समय लीज की शर्तों के कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। दुकानें बन गई हैं। 40-50 साल से रह रहे लोगों को हटाने में व्यावहारिक रूप से कठिनाई आ रही है।

महिला बाल विकास मंत्री ने जॉइनिंग तिथि बढ़ाने के दिए निर्देश

भोपाल। महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक भर्ती परीक्षा 2024 में चयनित अभ्यर्थियों को ज्वाइनिंग प्रक्रिया में आ रही व्यवहारिक कठिनाइयों के समाधान के लिए राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने ज्वाइनिंग की अंतिम तिथि बढ़ाने एवं स्वास्थ्य प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की प्रक्रिया में व्यावहारिक लचीलापन देने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि विभाग द्वारा चयनित पर्यवेक्षकों को 23 फरवरी 2026 तक ज्वाइन करने के निर्देश दिए गए थे। आदेशानुसार ज्वाइनिंग से पूर्व मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य किया गया था।

भोपाल। उच्च शिक्षा मंत्री न्दर सिंह परमार ने, आरसीवीपी नरोन्हा अकादमी में 35वीं इकोनॉमिक्स एसोसिएशन कॉन्फ्रेंस एवं राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारम्भ किया।

इंदौर वनमंडल में गिद्धों की तीन दिवसीय गणना शुरू

पहले दिन गिने गए 97 गिद्ध चोरल रेंज में सबसे ज्यादा 89

इंदौर। मध्य प्रदेश में गिद्धों की घटती संख्या पर नजर रखने और उनके संरक्षण के लिए वन विभाग द्वारा शुरू किए गए द्विवार्षिक गिद्ध गणना अभियान के तहत इंदौर वनमंडल में 20 फरवरी से तीन दिवसीय शीतकालीन गणना शुरू हो गई है। यह अभियान 22 फरवरी तक चलेगा। पहले दिन खराब मौसम और कहीं-कहीं बारिश के बावजूद वन विभाग की टीमों ने इंदौर, महू, मानपुर और चोरल फॉरेस्ट रेंज में केवल बैठे हुए गिद्धों की गणना की। नियम के अनुसार सिर्फ बैठे हुए गिद्धों की गिनती ही मान्य है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के इस अभियान के पहले दिन 97 गिद्ध दर्ज किए गए, जो सभी ईजिप्शियन वल्चर प्रजाति के हैं। चोरल रेंज में 89 गिद्धों

की गिनती की गई है।

यह गणना प्रदेशव्यापी है और पहली बार कुछ क्षेत्रों में मोबाइल ऐप का उपयोग भी किया जा रहा है ताकि डेटा अधिक पारदर्शी और सटीक हो। वन अधिकारियों ने बताया कि गिद्ध संरक्षण के लिए जागरूकता और डाइक्लोफेनाक जैसी दवाओं पर प्रतिबंध जैसे प्रयास जारी हैं। अगले दिनों की गणना के आंकड़े भी जल्द जारी किए जाएंगे।

मेट्रो एंकर गर्भावस्था से प्रसव तक की पूरी जटिलताओं की फाइल तैयार करने के निर्देश जारी

स्वास्थ्य महकमा सख्त, हर नवजात की मौत का होगा ऑडिट

खजुराहो, दोपहर मेट्रो

नवजात शिशुओं की मौत को लेकर अब स्वास्थ्य विभाग और सख्त हो गया है। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में कलेक्टर ने साफ निर्देश दिए कि एसएनसीयू में होने वाली हर नवजात मृत्यु का विस्तृत ऑडिट किया जाए। सिर्फ अस्पताल में हुई घटना ही नहीं, बल्कि गर्भावस्था से लेकर प्रसव तक की सभी जटिलताओं को फाइल में शामिल करना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही ऑपरेशन थिएटर और लेबर रूम में संक्रमण नियंत्रण व्यवस्था को और मजबूत करने तथा एआई आधारित तकनीक अपनाने पर भी जोर दिया गया है। बैठक में स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने ली स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा बैठक- बीते

दिनों कलेक्टर कार्यालय में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी सुनील सोलंकी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि नवजात मृत्यु दर कम करना प्रशासन की प्राथमिकता है और इसके लिए हर स्तर पर गंभीरता से काम करना होगा।

एसएनसीयू में हर मौत की होगी गहराई से जांच- कलेक्टर ने निर्देश दिए कि विशेष नवजात देखभाल इकाई (एसएनसीयू) में होने वाली हर शिशु मृत्यु का डेथ ऑडिट किया जाए। ऑडिट में यह देखा जाए कि मृत्यु के पीछे वास्तविक कारण क्या थे और क्या उन्हें पहले पहचाना जा सकता था। उन्होंने कहा कि डेथ ऑडिट में गर्भावस्था के दौरान आई दिक्कतें, हाई रिस्क प्रेग्नेंसी, समय पर जांच और प्रसव के दौरान आई जटिलताओं को भी शामिल किया जाए। इससे भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सकेगा। बैठक में अस्पतालों के ऑपरेशन थिएटर और लेबर रूम में संक्रमण नियंत्रण की चेकलिस्ट का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि संक्रमण रोकने के लिए एआई आधारित तकनीक को शामिल करने पर विचार किया जाए, जिससे मानवीय त्रुटियों की संभावना कम हो।

हाई रिस्क गर्भवती पर फोकस

कलेक्टर ने टीकाकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और लाभार्थियों से फीडबैक लेने के निर्देश दिए। साथ ही एएनसी पंजीयन बढ़ाने, हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान करने और जरूरत पड़ने पर तुरंत रेफरल की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने सुरक्षित प्रसव सेवाओं को मजबूत करने पर भी जोर दिया। बैठक में जानकारी दी गई कि होप कार्यक्रम के तहत 902 वृद्धजन चिन्हित किए गए हैं, जिनमें से 560 को नर्सिंग अधिकारियों द्वारा घर जाकर स्वास्थ्य सेवाएं दी जा चुकी हैं। गंभीर बीमारियों से ग्रस्त बुजुर्गों को 7वें, 14वें और 21वें दिन स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा घर पर सेवाएं दी जाती हैं।

शिक्षा, शिक्षक और संसाधन

सतना जिले के उचवा टोला गांव से आई यह खबर केवल एक स्कूल की समस्या नहीं है, बल्कि यह हमारी शिक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक सोच पर गहरे सवाल खड़े करती है। यहां एक सरकारी प्राथमिक स्कूल पिछले 14 वर्षों से अपने भवन का इंतजार कर रहा है। न सरकार जमीन दे पाई, न बजट मंजूर हो सका। मजबूरी में एक गरीब परिवार ने अपना ही घर स्कूल बना दिया, ताकि गांव के बच्चे पढ़ सकें। रामसज्जन मल्लाह नाम के इस ग्रामीण की आर्थिक स्थिति बेहद सामान्य है। उनके पास रहने के लिए सिर्फ दो छोटे कमरे हैं। एक कमरे में उनका पूरा परिवार रहता है और दूसरा कमरा उन्होंने स्कूल के लिए दे दिया है। इसी छोटे से कमरे में कक्षा 1 से 5 तक के 23 बच्चे पढ़ते हैं। हैरानी कीबात यह है कि रामसज्जन ने इसके बदले सरकार से आज तक कोई किराया नहीं लिया। उनका कहना है कि बच्चों की पढ़ाई सबसे बड़ी सेवा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि 14 साल में प्रशासन एक छोटा सा स्कूल भवन क्यों नहीं बनवा सका? सांसद, विधायक और मंत्रियों तक गुहार लगाई गई। आश्वासन भी मिले, उद्घाटन भी हुए, लेकिन भवन नहीं बना। फाइलें चलती रहीं और समय बीतता चला गया। यह स्थिति बताती है कि हमारी योजनाएं अक्सर कागजों तक ही सीमित रह जाती हैं। आज भी बच्चे बिना बिजली और पंखे के उसी छोटे कमरे में पढ़ने को मजबूर हैं। गर्मी में हाल और भी खराब हो जाता है। शिक्षक सीमित साधनों में बच्चों को बेहतर शिक्षा देने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन संसाधनों की कमी साफ दिखाई देती है। क्या यही वह 'बेहतर शिक्षा व्यवस्था' है, जिसके दावे हर मंच से किए जाते हैं? रामसज्जन का त्याग हमें सोचने पर मजबूर करता है। जब एक गरीब व्यक्ति अपनी आधी छत बच्चों के लिए दे सकता है, तो पूरी व्यवस्था मिलकर एक स्कूल भवन क्यों नहीं खड़ा कर सकती? क्या विकास सिर्फ बड़े शहरों और बड़े प्रोजेक्ट्स तक सीमित रह गया है? क्या गांव के बच्चों के सपने उतने महत्वपूर्ण नहीं हैं? यह खबर हमें यह भी सिखाती है कि समाज में इंसानियत अभी जिंदा है, लेकिन उसके भरोसे पूरी व्यवस्था नहीं चल सकती। सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वे समय पर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराएं। स्कूल भवन कोई लग्जरी नहीं, बल्कि बच्चों का अधिकार है। उचवा टोला की यह घटना एक चेतावनी है। अगर अब भी समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो ऐसे कई गांव होंगे, जहां शिक्षा सरकारी इमारतों में नहीं, बल्कि गरीबों के आंगन में सिमट कर रह जाएगी। यही सोचने का वक्त है कि क्या हम सच में शिक्षा को अपनी प्राथमिकता मानते हैं, या सिर्फ भाषणों तक सीमित रखते हैं।

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

मातृभाषा का संरक्षण : पहचान और अस्तित्व की रक्षा लिए बढ़ाएं उपयोग

सुनील कुमार महला
स्तंभकार

21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया जाता है। वास्तव में यह दिवस दुनिया भर में भाषाई और सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देने के साथ ही साथ विभिन्न मातृभाषाओं के संरक्षण के महत्व को समझाने के लिए समर्पित है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह दिवस मातृभाषाओं के संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा देने,भाषाई विविधता और बहुभाषावाद को प्रोत्साहित करने,शिक्षा में मातृभाषा के महत्व को उजागर करने तथा लुप्त होती भाषाओं के प्रति जागरूकता फैलाने के क्रम में मनाया जाता है। पाठक जानते हैं कि मातृभाषा केवल संचार का ही माध्यम नहीं होती है, बल्कि यह व्यक्ति की पहचान, उसकी सनातन संस्कृति, परंपराओं और सोच का मुख्य आधार होती है। नेल्सन मंडेला का यह मानना था कि-यदि आप किसी व्यक्ति से उस भाषा में बात करते हैं जिसे वह समझता है, तो वह उसके दिमाग में जाती है। यदि आप उससे उसकी मातृभाषा में बात करते हैं, तो वह उसके दिल तक पहुँचती है। बहरहाल, यहां पर यदि हम मातृभाषा के महत्व की बात करें तो मातृभाषा का महत्व अत्यंत व्यापक और गहरा होता है, क्योंकि यही भाषा व्यक्ति के जीवन की पहली सीख, भावनाओं की अभिव्यक्ति और सोचने-समझने का आधार बनती है। मातृभाषा के माध्यम से बच्चे दुनिया को आसानी से समझते हैं, इसलिए शुरुआती शिक्षा यदि अपनी भाषा में मिले तो ज्ञान अधिक प्रभावी ढंग से ग्रहण होता है और आत्मविश्वास भी बढ़ता है। यह भाषा व्यक्ति को उसकी संस्कृति, परंपराओं और पहचान से जोड़ती है तथा सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाती है।

मातृभाषा का संरक्षण केवल एक भाषा को बचाना नहीं, बल्कि पूरी सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखना है और यही भी कारण है कि यूनेस्को सहित विश्व भर की संस्थाएँ मातृभाषाओं के संरक्षण और उपयोग पर विशेष जोर देती हैं। बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि आज बच्चे अपनी मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करते हैं तो उनकी समझ, रचनात्मकता और आत्मविश्वास अधिक मजबूत होता है। कनाडा में रहने वाले एक बांग्लादेशी रफीकुल इस्लाम ने 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाने का सुझाव दिया था।हर वर्ष इस दिवस की एक थीम रखी जाती है और अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस (21 फरवरी) की पिछले साल और इस साल की थीम क्रमशः सतत विकास के लिए भाषाओं को महत्वपूर्ण बनाएं(वर्ष 2025 की थीम) तथा बहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की आवाज़(वर्ष 2026 की थीम) रखी गई है। इस साल यानी कि वर्ष 2026 की थीम का मतलब यह है कि शिक्षा प्रणाली में कई भाषाओं, विशेष रूप से मातृभाषा, के महत्व को लेकर युवाओं के विचारों, उनके अनुभवों तथा विभिन्न सुझावों को महत्व दिया जाए। सरल शब्दों में कहें तो इस थीम का उद्देश्य यह बताना है कि जब बच्चों को शुरुआती शिक्षा(विशेषकर प्राथमिक शिक्षा) उनकी अपनी भाषा में मिलती है तो उनकी समझ बेहतर होती है, उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और सीखने में रुचि भी अधिक रहती है। साथ ही, युवाओं को अपनी भाषाई पहचान और सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए प्रेरित करना भी इसका लक्ष्य है। वास्तव में आज के समय में शिक्षा नीतियों और व्यवस्थाओं में युवाओं की भागीदारी बहुत ही जरूरी है, क्योंकि वही भविष्य के समाज का निर्माण करते हैं। इसी सोच को बढ़ावा देने के लिए यूनेस्को हर वर्ष अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के माध्यम से जागरूकता फैलाता है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि मातृभाषा के संरक्षण और संवर्धन को लेकर आज वैश्विक और स्थानीय स्तर पर गहरी चिंताएँ व्यक्त की जा रही हैं। भाषा केवल संवाद का साधन नहीं, बल्कि किसी भी समाज की संस्कृति, स्मृति और पहचान की संवाहक होती है। जब एक मातृभाषा दम तोड़ती है, तो उसके साथ सदियों का पारंपरिक ज्ञान और अद्वितीय विश्वदृष्टि भी लुप्त हो जाती है।इस क्रम में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के अनुसार, हर दो सप्ताह में एक भाषा विलुप्त हो जाती है और विश्व एक पूरी सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत खो देता है। इतना ही नहीं,यूनेस्को के ही अनुसार, विश्व की लगभग 6,000 से अधिक भाषाओं में से करीब 43% लुप्तप्राय की श्रेणी में हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि यदि संरक्षण के ठोस प्रयास नहीं किए गए, तो इस सदी के अंत तक दुनिया की आधी भाषाएँ गायब हो सकती हैं। यदि हम यहां पर भारत की स्थिति की बात करें तो पीपल्स लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया के अनुसार, पिछले 50 वर्षों में भारत ने अपनी लगभग 250 भाषाएँ खो दी हैं। भारत में वर्तमान में लगभग 196 भाषाएँ ऐसी हैं जिन्हें यूनेस्को ने असुरक्षित या लुप्तप्राय माना है। यह चिंताजनक बात है कि आज के समय में वैश्विक अर्थव्यवस्था में बढ़त बनाने की होड़ में अंग्रेजी जैसी भाषाओं का प्रभुत्व बढ़ रहा है। इसके कारण नई पीढ़ी अपनी मातृभाषा से कट रही है। आँकड़े बताते हैं कि प्राथमिक शिक्षा यदि मातृभाषा में न हो, तो बच्चों की संज्ञानात्मक क्षमता और सीखने की गति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इतना ही नहीं, इंटरनेट की दुनिया में 50% से अधिक सामग्री केवल अंग्रेजी में है। हालांकि स्थानीय भाषाओं का प्रतिशत बढ़ रहा है, लेकिन तकनीकी रूप से पिछड़ी हुई मातृभाषाओं के विलुप्त होने का खतरा बना हुआ है क्योंकि वे डिजिटल युग की मुख्यधारा का हिस्सा नहीं बन पा रही हैं। हालांकि,भाषाओं के संरक्षण के लिये अनेक वैश्विक प्रयास किए जा रहे हैं। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2022 और वर्ष 2032 के मध्य की अवधि को स्वदेशी भाषाओं के अंतर्राष्ट्रीय दशक के रूप में नामित किया है।यह भी उल्लेखनीय है कि इससे पहले संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2019 को स्वदेशी भाषाओं का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित किया था तथा वर्ष 2018 में चांगशा (चीन) में यूनेस्को द्वारा की गई यूलु उद्घोषणा, भाषायी संसाधनों और विविधता की रक्षा के लिये विश्व भर के देशों एवं क्षेत्रों के प्रयासों का मार्गदर्शन करने में केंद्रीय भूमिका निभाती है। इतना ही नहीं,भारत ने स्वदेशी (मातृ) भाषाओं की रक्षा, संवर्धन और प्रसार के लिए अनेक महत्वपूर्ण पहलें की हैं।

यूनेस्को के अनुसार, मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा पाने वाले बच्चों का मानसिक विकास अन्य बच्चों की तुलना में 30% अधिक प्रभावी होता है, इसलिए हम अपनी मातृभाषा को अधिकाधिक महत्व दें। मातृभाषा में अनुवाद कार्य,नई शिक्षा नीति जैसे कदमों का समर्थन करना (जो प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा पर जोर देते हैं) तथा अपनी भाषा(मातृभाषा) की पत्रिकाओं और समाचार पत्रों को सब्सक्राइब करें और उनमें योगदान दें।संक्षेप में यह बात कही जा सकती है कि मातृभाषा हमारी सांस्कृतिक पहचान और बौद्धिक विकास की नींव है। आज के दौर में यूनेस्को के अनुसार विश्व की लगभग 43% भाषाएँ विलुप्ति की कगार पर हैं, जो एक गंभीर चेतावनी है। अपनी भाषा को बचाने के लिए यह अनिवार्य है कि हम इसे हीन भावना के बजाय गर्व के साथ अपनाएँ, घर में बच्चों से इसी में संवाद करें और डिजिटल माध्यमों पर अपनी भाषा का उपयोग बढ़ाएँ। निष्कर्षतः, आधुनिक प्रगति के लिए दूसरी भाषाएँ सीखना ज़रूरी है, लेकिन अपनी मातृभाषा को जीवित रखना अपनी जड़ों और अस्तित्व को सुरक्षित रखने के समान है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हरियाणा में एचआईवी के मामले : पहचान मजबूत, रोकथाम के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच जरूरी

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्तंभकार

वित्त वर्ष 2025-26 में हरियाणा सरकार द्वारा 12.4 लाख से अधिक लोगों की एचआईवी जांच और 5877 पॉजिटिव मामलों की पहचान- यह तथ्य पहली दृष्टि में सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र की सक्रियता, प्रशासनिक इच्छाशक्ति और नीति-स्तरीय गंभीरता का प्रमाण प्रतीत होता है। इतने बड़े पैमाने पर स्क्रीनिंग किसी भी राज्य के लिए न तो सरल होती है और न ही सहज। इसके लिए वित्तीय संसाधन, प्रशिक्षित मानवबल, संस्थागत ढांचा और निरंतर निगरानी की आवश्यकता होती है। इस दृष्टि से देखें तो यह उपलब्धि हरियाणा की स्वास्थ्य व्यवस्था की क्षमता और प्राथमिकताओं को दर्शाती है।

यह पहल इस बात का भी संकेत है कि राज्य ने एचआईवी को अब केवल 'सीमित समुदायों' या 'हाशिये के समूहों' से जोड़कर देखने के पुराने और संकीर्ण नजरिये से आगे बढ़कर एक व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती के रूप में स्वीकार किया है लेकिन यही आंकड़े जब गहराई से पढ़े जाते हैं, तो वे एक साथ यह चेतावनी भी देते हैं कि संक्रमण की सामाजिक, आर्थिक और व्यवहारिक जड़ें अभी भी मजबूत बनी हुई हैं। सवाल यह नहीं है कि कितने लोगों की जांच हुई, बल्कि यह है कि संक्रमण को जन्म देने वाले कारणों पर कितनी प्रभावी रोक लगी। राज्य में 104 एकीकृत परामर्श एवं परीक्षण केंद्र और 24 एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी) केंद्रों का संचालन इस बात का संकेत देता है कि जांच के बाद मरीजों को इलाज की निरंतर श्रृंखला से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। 40,000 से अधिक लोगों का नियमित उपचार यह स्पष्ट करता है कि नीति केवल घोषणाओं और कागजी योजनाओं तक सीमित नहीं है। एचआईवी जैसे दीर्घकालिक और आजीवन प्रबंधन की मांग करने वाले रोग में इलाज की निरंतरता उतनी ही महत्वपूर्ण होती है जितनी प्रारंभिक पहचान। इस मोर्चे पर हरियाणा की स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत दिखती है, जो कई अन्य राज्यों के लिए एक सीख भी हो सकती है। इस अभियान का सबसे सकारात्मक और दूरगामी प्रभाव गर्भवती महिलाओं की बड़े पैमाने पर जांच में दिखाई देता है। 5.65 लाख से अधिक गर्भवती महिलाओं की स्क्रीनिंग और 613 पॉजिटिव मामलों की पहचान यह दर्शाती है कि मां से बच्चे में संक्रमण रोकने को गंभीरता से प्राथमिकता दी जा रही है। चिकित्सा विज्ञान यह स्पष्ट कर चुका है कि यदि समय रहते एचआईवी संक्रमित गर्भवती महिला को उपचार और परामर्श मिल जाए तो नवजात को संक्रमण से लगभग पूरी तरह बचाया जा सकता है। यह केवल एक चिकित्सा सफलता नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का भी प्रश्न है, क्योंकि एचआईवी-मुक्त शिशु को उस कलंक और भेदभाव का सामना नहीं करना पड़ता, जो आज भी संक्रमित बच्चों के जीवन को सीमित कर देता है।

दिसंबर 2021 से लागू 2250 रुपये प्रतिमाह की वित्तीय सहायता योजना, जिसके तहत अब तक 54.3 करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं, यह संकेत देती है कि राज्य सरकार बीमारी को केवल चिकित्सा समस्या के रूप में नहीं देख रही। एचआईवी से प्रभावित व्यक्ति अक्सर रोजगार, सामाजिक स्वीकार्यता और आर्थिक स्थिरता- तीनों से वंचित हो जाता है। बीमारी के साथ जुड़ा सामाजिक भय और भेदभाव उसकी आजीविका के अवसरों को भी सीमित कर देता है। ऐसे में यह वित्तीय सहायता इलाज के साथ जीवन की बुनियादी गरिमा बनाए रखने का एक प्रयास है। भले ही मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों में यह राशि अपर्याप्त प्रतीत हो। फिर भी, कुल जांच के मुकाबले 0.47 प्रतिशत की पॉजिटिविटी दर को हल्के में नहीं लिया जा सकता। सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ लंबे समय से यह मानते आए हैं कि एचआईवी के मामले अक्सर वास्तविक संख्या से कम रिपोर्ट होते हैं। सामाजिक कलंक, भय, गोपनीयता को लेकर आशंका और जानकारी की कमी के कारण बड़ी संख्या में लोग स्वैच्छिक जांच से बचते हैं। ऐसे में सामने आए 5877 मामले संभवतः समस्या की पूरी तस्वीर नहीं, बल्कि उसका एक सीमित हिस्सा मात्र हैं। यह दर राज्य में मौजूद उन सामाजिक कारकों की ओर भी संकेत करती है, जो संक्रमण को बढ़ावा देते हैं- जैसे नशीली दवाओं का बढ़ता दुरुपयोग, असुरक्षित यौन व्यवहार, तेज शहरीकरण और प्रवासी श्रमिकों की अस्थिर जीवन-स्थितियां। यौनकर्मी, ट्रक चालक, निर्माण श्रमिक और नशीली दवाओं के आदी लोग आज भी संक्रमण की श्रृंखला में सबसे अधिक जोखिम में हैं। इनके लिए चलाई जा रही लक्षित परियोजनाएं और ओपिओइड प्रतिस्थापन केंद्र निःस्संदेह सही दिशा में कदम हैं, लेकिन इनकी पहुंच और प्रभाव अभी भी सीमित दिखाई देता है। नशे की समस्या को केवल उपचार या दवा वितरण तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं होगा। जब तक इसे सामाजिक पुनर्वास, रोजगार के अवसरों और मानसिक स्वास्थ्य समर्थन से नहीं जोड़ा जाता, तब तक एचआईवी नियंत्रण अधूरा ही रहेगा।

अंततः, हरियाणा का एचआईवी जांच अभियान निःस्संदेह एक बड़ी उपलब्धि है। इसने यह साबित किया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रशासनिक प्रतिबद्धता के साथ बड़े पैमाने पर सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप संभव हैं, लेकिन यह सफलता तभी पूर्ण मानी जाएगी जब इसके साथ जुड़ी चेतावनियों को गंभीरता से सुना जाए। यदि राज्य कलंक तोड़ने, रोकथाम को इलाज जितनी प्राथमिकता देने और संक्रमण के सामाजिक कारणों पर ईमानदारी से काम करने में सफल होता है, तो आज के आंकड़े कल की सफलता की कहानी बनेंगे। अन्यथा, यही आंकड़े भविष्य के एक बड़े और गहरे संकट का शुरुआती संकेत बनकर रह जाएंगे।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सुविचार

समय, संबंध,सेहत तीनों पर कीमत का लेबल नहीं लगा होता है, लेकिन जब हम इन्हें खो देते हैं तब इनकी कीमत का एहसास होता है।
-अज्ञात

निशाना

बोया था जो वही काट पाया हूं..!

सुखेन्द्र दशरथ साहू

दोस्त दोस्ती ये सब मैने चुना हूँ
दोस्ती के जैसे धागे वैसे बुना हूँ
पल पल जीवन का बिताया हूँ
बोया था जो वही काट पाया हूँ
बुरी संगतों में जब था मै पड़ा
गिरा ऐसे की न हो पाया खड़ा
साथ जिनके दिन रात रहते है
कल्याण व नाश वही करते है
दिन रात जो देखते सुनते है हम
प्रकृति वही बनाकर लेती है दम
खुद संगत को तलाशना होता है
अंधेरे में चिराग जलाना होता है
उच्च विचारों का सदा स्मरण करें
जो आगे बढ़ने हेतु राह सुगम करें
दुखी बुरे समाज विरोधी लोगों से रहे दूर
उभरते हुए भविष्य को कर देंगे चूर चूर
सुखी, सकारात्मक लोगों का साथ पाओगे
जीवन को सुनहरा उज्जवल बनाओगे
यह महत्वपूर्ण है कि किसके साथ रहते है
उसके जीवन के रास्ते उसी ओर बढ़ते हैं।

हेल्थ टिप्स

ज्यादा गुस्सा सेहत के लिए रेड फ्लैग, एंगर कंट्रोल के लिए आयुर्वेदिक में भी हैं उपाय

एक व्यक्ति अपने जीवन में कई सारे इमोशन से गुजरता है, उन्हें महसूस करता है। खुशी, प्यार, नफरत जैसे इमोशन के साथ इसमें गुस्सा भी शामिल है. लेकिन आज के समय में गुस्सा दूसरी भावनाओ के मुकाबले में ज्यादा लोगों में देखने के लिए मिलता है। हर किसी का गुस्सा जाहिर करने का तरीका अलग होता है। कोई चिल्लाकर तो कोई मन ही मन बड़-बड़ाकर गुस्सा निकालने की कोशिश करता है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि एक पल का गुस्सा हमारे शरीर को कितनी बुरी तरह प्रभावित करता है। लंबे समय तक गुस्सा मन को तो बीमार बनाता ही है साथ ही इससे आपका शरीर भी अवस्थ महसूस करने लगता है। मेडिकल और आयुर्वेद दोनों का ही मानना है कि एंगर न सिर्फ रिश्तों को बिगाड़ता है, बल्कि इसके साथ ही हार्मोन, हृदय, पाचन और मस्तिष्क तक पर गहरा नकारात्मक प्रभाव डालता है।

जब किसी को भी गुस्सा आता है, तो शरीर में तेजी से हार्मोन असंतुलित होने लगते हैं। तनाव को बढ़ाने वाले एड्रेनालिन और कोर्टिसोल एक्टिवेट हो जाते हैं और दिल की धड़कन भी तेजी से बढ़ने लगती है। तनाव की वजह से रक्त वाहिकाओं पर दबाव पड़ता है और पाचन क्रिया धीमी पड़ जाती है, और यही कारण है कि गुस्से में अक्सर लोगों की खाने की इच्छा खत्म हो जाती है। बात सिर्फ यहीं खत्म नहीं होती गुस्सा आने पर मस्तिष्क का निर्णय लेने वाला भाग कमजोर हो जाता है और कम सक्रिय तरीके से काम करता है। रिसर्च बताती है कि बार-बार गुस्सा करने वालों में हाई बीपी, हार्ट डिजीज, माइग्रेन, एसिडिटी और नींद की समस्या अधिक पाई जाती है।

कंट्रोल करने का नेचुरल तरीका: जब भी गुस्सा आए तो सबसे पहले गहरी और धीरे-धीरे सांस लें और बाहर की तरफ छोड़ें। कोशिश करें कि किसी खुली जगह में जाकर सांस लेने की कोशिश करें और हाथों को बाहर की तरफ झटके। यह शरीर से तनाव और गुस्से के असर को कम करता है। विज्ञान में माना गया है कि किसी भी बात पर गुस्सा जाहिर करने से पहले खुद को 90 सेकेंड के लिए रोक लें। इससे गुस्सा धीरे-धीरे कम हो जाता है और फिर हम चीजों को बेहतर समझ पाते हैं। इसके साथ ठंडा पानी पीने और आंखों को ठंडे पानी से धोने से राहत मिलती है। ठंडा पानी पीने से पित्त शांत होता है और तनाव भी कम महसूस होता है। आयुर्वेद में गुस्से को पित्त से जोड़कर देखा गया है। आयुर्वेद में क्रोध नियंत्रण के लिए पित्तशामक आहार के सेवन की सलाह दी जाती है। इसके लिए आहार में नारियल पानी, सौंफ, धनिया, घी, खीरा, और आंवला शामिल करें।

खौफनाक

चींटी के डंक से तड़पता शरीर, अमेजॉन के जंगलों में मर्द बनने की ऐसी दर्दनाक परंपरा!

दुनिया के सबसे घने और रहस्यमयी अमेजन के जंगलों में आज भी कुछ ऐसी परंपराएं जीवित हैं, जिन्हें सुनकर आधुनिक समाज के रोंगटे खड़े हो जाते हैं। कल्पना कीजिए कि आपको अपने दोनों हाथ एक ऐसे दस्ताने में डालने पड़ें, जिसमें सैकड़ों जहरीली चींटियां भरी हों और उनका एक-एक डंक बंदूक की गोली लगने जैसा महसूस हो। सुनकर ही कलेजा कांप जाएगा, लेकिन ब्राजील की सबसे पुरानी जनजातियों में से एक 'सातेरे-मावे ट्राइब्स (Satere-Mawe Tribes)' में मर्द बनने के लिए लड़कों को इसी नरक जैसे दर्द से गुजरना पड़ता है.। इस रस्म को 'वाउमत (Waumat)' कहा जाता है, जहां 'बुलेट एंट (Bullet Ant)' का इस्तेमाल किया जाता है, जिसका डंक इंसान को पागल करने की हद तक दर्द दे सकता है।

दरअसल, बुलेट एंट दुनिया की सबसे बड़ी चींटी प्रजातियों में से एक है और इसका डंक 'शिमट स्टिंग पेन इंडेक्स' में सबसे ऊपर आता है। इसके डंक को लेकर एक्सपर्ट्स कहते हैं कि यह किसी भी अन्य कीट के मुकाबले सबसे ज्यादा दर्दनाक है। इसका जहर सीधा इंसान के सेंट्रल नर्वस सिस्टम पर हमला करता है, जिससे न केवल हड्डियों में ड्रिल होने जैसा दर्द होता है, बल्कि शरीर में भयानक कंपन, पसीना और कभी-कभी मतिभ्रम भी होने लगता है। डॉक्टर सैम रॉबिन्सन का कहना है कि यह दर्द मधुमक्खी के डंक जैसा नहीं है, जो 10 मिनट में ठीक हो जाए, बल्कि यह 24 घंटे तक हड्डियों के भीतर तक महसूस होता है। लेकिन सातेरे-मावे ट्राइब्स के युवा लड़कों को मर्दानगी साबित करने के लिए उन चींटियों से भरे ग्लव्स में हाथ को डालना पड़ता है। जो इसे पूरा करता है, उसे ही जनजाति का लीडर बनने योग्य माना जाता है।

तैयारी भी होती है खौफनाक: जनजाति के बुजुर्ग पहले बुलेट चींटियों को इकट्ठा करते हैं और उन्हें काजू की पत्तियों के मिश्रण से सुला देते हैं, ताकि उन्हें दस्तानों में बुना जा सके। इन दस्तानों को इस तरह बनाया जाता है कि चींटियों के डंक अंदर की तरफ रहें। जब चींटियों का नशा उतरता है, तो वे बेहद आक्रामक हो जाती हैं। इसके बाद 12 साल से ऊपर के लड़कों को बारी-बारी से अपने हाथ इन दस्तानों के भीतर डालने होते हैं। रस्म के दौरान लड़के दर्द को छिपाने के लिए एक घेरे में नाचते हैं और धुएं के बीच अपना मानसिक संतुलन बनाए रखने की कोशिश करते हैं। जैसे ही जहरीली चींटियां लड़कों के हाथों में अपना जहर इंजेक्ट करती हैं, वे दर्द के मारे जमीन पर गिरकर तड़पने लगते हैं। कई बार तो लड़कों के हाथ और शरीर के अंग सुन्न पड़ जाते हैं और वे घंटों तक कांपते रहते हैं। इसे पूरा करने वाले लड़कों को ही मर्द माना जाता है।

सातेरे-मावे जनजाति का मानना है कि जो लड़का इस असहनीय पीड़ा को बिना रोए या हार माने सहन कर लेता है, वही भविष्य में जनजाति का लीडर बनने के योग्य होता है। उनके अनुसार, यह रस्म लड़कों को जीवन की कठिन चुनौतियों और दुखों के लिए तैयार करती है।

अजब - गजब

डार्क वेब की रहस्यमयी दुनिया में लगाया गोता, छिपकर आखिर क्या-क्या ढूंढते हैं लोग

डार्क वेब क्या है और क्या ये सच में इतना खतरनाक है? ये सवाल लाखों लोगों के मन में आता है, खासकर जब सोशल मीडिया पर वायरल वीडियोज और स्टोरीज शेयर होती है। हाल ही में भारतीय कंटेंट क्रिएटर आचिना सिरोही मय्या ने एक ऐसा एक्सपेरिमेंट किया जिसने सबको चौंका दिया। उन्होंने 48 घंटे डार्क वेब पर बिताए और जो कुछ देखा, उसका खुलासा अपने यूट्यूब वीडियो में किया। आचिना भारत की नंबर वन वीडियो मास्टरी स्कूल की फाउंडर हैं और वो पहले से ही टेक और कंटेंट क्रिएशन पर वीडियोज बनाती हैं। लेकिन इस बार उन्होंने डार्क वेब की गहराई में उतरने का फैसला किया, सिर्फ जिज्ञासा के कारण. जो पता चला वो चौकाने वाला था।

क्या है डार्क वेब?: डार्क वेब इंटरनेट का वो हिस्सा है जो सामान्य ब्राउजर्स जैसे क्रोम या फायरफॉक्स से एक्सेस नहीं होता। इसके लिए टोर (Tor) ब्राउजर की जरूरत पड़ती है, जो यूजर की लोकेशन और एक्टिविटी को एनक्रिप्ट करता है। डार्क वेब onion डोमेन वाली साइट्स से बना है, जहां सर्फिंग पूरी तरह अनाम रहती है। लेकिन यही अनामियत इसे क्रिमिनल्स के लिए आकर्षक बनाती है। आचिना ने बताया कि उन्होंने टोर इंस्टॉल किया, VPN यूज किया और फिर onion लिंक्स पर घूमना शुरू किया। पहले तो उन्हें कई साइट्स मिलीं जो स्कैम लग रही थीं- जैसे हिटमैन फॉर हायर, जहां कोई भी किसी को मारने के लिए पैसे देकर सर्विस ले सकता है। लेकिन ज्यादातर फेक थे, सिर्फ लोगों को ठगने के लिए बनाए गए थे।

होता है काला धंधा: डार्क वेब पर फिर ड्रग्स मार्केटप्लेस मिले, जहां कोकीन, हिरोइन, LSD जैसी ड्रग्स क्रिप्टोकरेंसी से बिक रही थी। क्रेडिट कार्ड डेटा, हैकिंग टूल्स, मालवेयर और यहां तक कि अवैध हथियार भी उपलब्ध थे। सबसे खौफनाक हिस्सा चाइल्ड एक्सप्लोइटेशन और रिवेंज पोर्न जैसी सामग्री थी, जो देखकर आचिना ने कहा कि वो ट्रॉमा फील कर रही थी। आचिना ने वीडियो में चेतावनी दी - 'डार्क वेब पर ज्यादातर चीजें स्कैम हैं, लेकिन जो रियल क्राइम होता है वो बहुत डरावना है। लोग यहां प्राइवेसी के लिए जाते हैं, जैसे जर्नलिस्ट्स या एक्टिविस्ट्स जो सेंसरशिप से बचना चाहते हैं, लेकिन क्रिमिनल्स इसे गलत कामों के लिए यूज करते हैं।' उन्होंने बताया कि कई साइट्स पर फेक प्रोडक्ट्स बिकते हैं, जैसे स्टोलन पासवर्ड्स या फेक IDs, लेकिन पेमेंट करने पर कुछ नहीं मिलता है। कुछ जगहों पर रियल डील्स भी होती हैं, लेकिन पुलिस और इंटरनेशनल एजेंसियां लगातार मॉनिटर करती हैं।

बारिश से झड़ रहे आम के बौर

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम-इटारसी सहित आसपास के क्षेत्रों में हुई, बे मौसम बारिश ने मौसम को सुहावना बना दिया, लेकिन किसानों की चिंता बढ़ा दी। ठंडी हवाओं और बादलों से फसलों को भारी नुकसान की आशंका है। जिले किसान विजय बाबू चौधरी ने बताया बेमौसम बारिश और हवाओं से चने और आम की फसलें सबसे ज्यादा प्रभावित हो रही हैं। चने के पौधों पर फूल-फल लगे हैं, जबकि आम के बौर आ चुके हैं। जिससे उत्पादन पर बुरा असर पड़ेगा। बादल छाए रहने से सब्जियों की फसलें भी खतरे में हैं।

भिंड में नेशनल हाईवे-719 पर बीती देर रात हुआ सड़क हादसा

बस और कार की भीषण टक्कर से 5 की मौत, 7 लोग गंभीर घायल

भिंड। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के भिंड जिले में गोहद चौराहा थाना इलाके से गुजरने वाले भिंड-ग्वालियर हाईवे से गुजरने वाले नेशनल हाईवे-719 पर बीती देर रात बरात से ग्वालियर लौट रही बस ने कार को मारी टक्कर दी। जिससे हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 7 लोग घायल हैं। सूचना मिलते ही गोहद चौराहा पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से राहत-बचाव कार्य शुरू किया। घायलों में से 2 की बेहद गंभीर हालत में ग्वालियर रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि, एक तेज रफ्तार बस भिंड में बारात छोड़कर वापस ग्वालियर की ओर जा रही थी। इसी दौरान जिले के छीमका के पास उसने यात्रियों से भरी एक ईको कार को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद हाईवे पर काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा, जिसे बाद में मौके पर पहुंची पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया।

पुलिस ने पंचनामा बनाकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

पुलिस ने सभी शवों का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवा दिया है। घटना स्थल पर आसपास के लोग लंबे समय से हाइवे चौड़ीकरण की माग कर रहे हैं। संतों के आंदोलन के बाद भी जिम्मेदार नहीं जाग रहे, जिसके परिणाम स्वरूप आए दिन इस हाइवे पर सड़क हादसों में लोग अपनी जान गवाते रहते हैं।

युवक को रस्सी से बांधकर बेरहमी से पीटा, वीडियो वायरल, 5 पर केस दर्ज

धार। दोपहर मेट्रो

जिले के राजोद थाना क्षेत्र के ग्राम बरमंडल से मानवता को शर्मसार करने वाला एक मामला सामने आया है। यहां एक युवक के हाथ रस्सी से बांधकर उसे डंडों और रस्सी से बेरहमी से पीटा गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों पर केस दर्ज किया है।

वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि पीड़ित युवक दीपक मारु असहाय अवस्था में बंधा हुआ है।आरोपी उसे लाठियों और रस्सियों से पीट रहे हैं, जबकि वहां मौजूद भीड़ तमाशा देखती रही। किसी ने भी युवक को बचाने का प्रयास नहीं किया बल्कि घटना का वीडियो बनाते रहे। मामले में पुलिस की जांच में सामने आया कि घटना के मुख्य आरोपी मांगीलाल मारू ने वारदात के बाद पीड़ित दीपक के खिलाफ ही थाने में शिकायत दर्ज करा दी थी। आरोपियों ने आरोप लगाया था कि युवक गलत नीयत से घर में घुसा था। पुलिस ने मारपीट के मामले में विक्रम पिता मांगीलाल मारू, देवीलाल पिता रामनारायण लिम्बीवाल, मांगीलाल पिता लक्ष्मण गोयल, शंकर पिता चम्पालाल, कान्हा पिता मांगीलाल पर प्रकरण दर्ज किया है।

वेयर हाउस से गायब हुई मूंग के मामले में 3 लोगों पर केस दर्ज

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले के माखननगर स्थित ग्राम चीलाचोन में एकलव्य वेयरहाउस से 9899 बोरी सरकारी मूंग गायब होने के मामले में शाम 6 बजे माखननगर थाने में एफआईआर दर्ज हो गई। वेयरहाउस संचालिका आरती पति नरेंद्र तोमर, उसके रिश्तेदार अमित तोमर और चौकीदार अमर कौल के खिला केस दर्ज किया गया है। एमपी वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन के क्षेत्रीय प्रबंधक अतुल सोरटे की लिखित शिकायत पर यह कार्रवाई हुई। ब्रांच मैनेजर हेमंत चंदेल ने पहले चोरी का शक जताया था, जिसके बाद 16 फरवरी को अधिकारियों ने सरकारी ताला तोड़कर स्टॉक सत्यापित किया। 18-19 फरवरी के रिस्टेकिंग में 9899 बोरी (मूल्य 4 करोड़ 22 लाख 21 हजार 710 रुपये) कम पाई गईं। एसडीओपी संजू चौहान ने बताया कि वेयर हॉउस की जांच प्रतिवेदन के बाद वेयर हाउस संचालिका सहित दो लोगो पर केस दर्ज किया गया है मामले में जांच जारी है।

सीमेंट से लदा ट्रक धू-धू जलकर जला, चालक ने कूदकर बचाई जान

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम-पिपरिया स्टेट हाईवे पर सेमरी हरचंद के अनाज मंडी के पास खड़े एक ट्रक में रात करीब 9 बजे भीषण आग लग गई। ट्रक में सीमेंट लदा था, जो धू-धू कर जल उठा। 8-10 फीट ऊंची लपटें उठने लगीं और टायर फटने की आवाज से हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई।ट्रक ड्राइवर ने मौके पर ही कूदकर अपनी जान बचा ली। सूचना मिलते ही सेमरी हरचंद पुलिस चौकी प्रभारी आकाशदीप पचाया बल के साथ पहुँचे और हाईवे पर वाहनों की आवाजाही कुछ देर के लिए रोक दी। माखननगर व सोहागपुर से दमकल की गाड़ियाँ बुलाई गईं। फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद आधे घंटे में आग पर काबू पा लिया, लेकिन तब तक 12 चक्कों वाला ट्रक पूरी तरह जलकर खाक हो चुका था। एसडीओपी संजू चौहान ने बताया कि ट्रक कैबिन में अचानक आग लगने की जानकारी है। आग का सटीक कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। ड्राइवर की तलाश कर पूछताछ की जाएगी। घटना से हाईवे-22 पर यातायात बुरी तरह प्रभावित रहा और भारी भीड़ जमा हो गई।

सांसद नारोलिया ने गृह मंत्री से भेंट कर भारत टैक्सी पहल का किया अभिनंदन

गृह एवं सहकारिता मंत्री से स्वदेशी संकल्पों पर की चर्चा

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश से राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने देश की राजधानी नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से उनके निवास पर शिष्टाचार भेंट की। सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई इस भेंट के दौरान राष्ट्रहित और जनसेवा से जुड़े विभिन्न समसामयिक विषयों पर सकारात्मक संवाद हुआ।

मुलाकात के दौरान सांसद श्रीमती नारोलिया ने सहकारिता के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने वाले अभिनव प्रयोग भारत टैक्सी जैसे प्रकल्पों के लिए मंत्री शाह का विशेष रूप से अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि सहकारिता के माध्यम से परिवहन क्षेत्र में यह पहल न केवल सेवा के नए आयाम स्थापित करेगी, अपितु विकसित भारत की गौरवमयी यात्रा में एक शुभंकर (मंगलकारी) कदम सिद्ध होगी। श्रीमती नारोलिया ने बल देते हुए कहा कि सहकार से अंत्योदय के संकल्प को चरितार्थ करने वाले ऐसे प्रयास स्वदेशी की भावना को सशक्त और सुदृढ़ता प्रदान करेंगे। चर्चा के दौरान गृह मंत्री ने जनसेवा के संकल्पों की सिद्धि हेतु अपना अमूल्य मार्गदर्शन प्रदान किया। सांसद माया नारोलिया ने इस आत्मीय भेंट के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए इसे अत्यंत प्रेरणादायी और ऊर्जावान बताया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सहकारिता के क्षेत्र में किए जा रहे ये युगांतरकारी सुधार राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक ढांचे को नई ऊंचाइयां प्रदान करेंगे। श्रीमती नारोलिया के साथ भाजपा नेता विकास नारोलिया मौजूद रहे।

विकासखंड स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित

हरदूखेड़ी की टीम बनी विजेता जिला स्तर पर करेगी प्रतिनिधित्व

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

पारंपरिक खेलों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा विकासखंड स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता नवाचार के अंतर्गत ब्लॉक खेल समन्वयक नूरजहां बानो मंसूरी के मार्गदर्शन में 20 फरवरी 2026 को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के इंडोर गेम्स हॉल में संपन्न हुई। आयोजन का संचालन कबड्डी कोच राहुल विश्वकर्मा द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में 25 वर्ष तक के बालक वर्ग के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रोमांचक मुकाबले में ग्राम हरदूखेड़ी की टीम ने ग्राम पचमा को पराजित कर खिताब अपने नाम किया। विजेता टीम अब विकासखंड का प्रतिनिधित्व करते हुए जिला स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी।

जिला स्तर पर प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 21 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार 11 हजार रुपये, तृतीय पुरस्कार 5 हजार 100 रुपये तथा सांत्वना पुरस्कार 1100 रुपये निर्धारित किए गए हैं। आयोजन में ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों की सक्रिय भागीदारी रही, जिससे पारंपरिक खेलों के प्रति युवाओं का उत्साह और रुचि स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

कथा में सामाजिक संदेश

नशा मुक्ति और पर्यावरण संरक्षण का किया आह्वान

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

वार्ड 17 स्थित सिद्ध भाटन माता मंदिर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। कथावाचिका डॉ. अमृता करुणेश्वरी ने गोवर्धन पूजा व छप्पन भोग प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने नशा मुक्ति का संदेश देते हुए कहा कि शरीर भगवान का मंदिर है, इसे व्यसनों से दूर रखें। साथ ही जल संरक्षण, स्वच्छता और वृक्षारोपण पर जोर देते हुए गोवर्धन पूजा को प्रकृति संरक्षण से जोड़ा। समापन पर गोवर्धन भगवान की झांकी सजी और छप्पन भोग का प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अभद्र टिप्पणी के विरोध में कांग्रेस ने फूंका मंत्री का पुतला

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

प्रदेश विधानसभा की कार्यवाही के दौरान नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार पर नगरी प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा की गई कथित अभद्र टिप्पणी के विरोध में कांग्रेस ने प्रदर्शन किया।

मध्यप्रदेश कांग्रेस के पूर्व सचिव नितिन दुबे के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मंत्री विजयवर्गीय का पुतला दहन कर आक्रोश जताया। कांग्रेस नेताओं ने टिप्पणी को लोकतांत्रिक परंपराओं के विरुद्ध बताते हुए निंदा की। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष सत्यप्रकाश सेन, कृष्ण मोहन शर्मा, राजकुमार सेन, महेंद्र जैन, जिला उपाध्यक्ष युवा कांग्रेस सौरभ दुबे, पूर्व महामंत्री हर्ष शर्मा, युवा नेता विपिन शर्मा, सुरेंद्र शर्मा, कमलेश रघुवंशी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रेस्क्यू ऑपरेशन

देवीजी मंदिर के पास से लापता हुए तीनों बच्चे सुरक्षित बरामद

धार। दोपहर मेट्रो

शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत देवीजी तालाब के पास से लापता हुए तीन बच्चों को पुलिस ने कुछही घंटों में सुरक्षित बरामद कर लिया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिरों की मदद से बच्चों को ढूंढकर उनके परिजनों के सुपुर्द किया।

कोतवाली थाने पर ममता पिता गुलाबसिंह ने सूचना दी थी कि उनके तीन भतीजे जो देवीजी तालाब के पास स्थित झोपड़ी के बाहर खेल रहे थे अचानक बिना बताए कहीं चले गए हैं। काफी तलाश के बाद भी जब बच्चों का कुछ पता नहीं चला, तो परिजनों ने घबराकर पुलिस की शरण ली थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम का गठन किया गया। नगर पुलिस अधीक्षक सुजावल जग्गा के निर्देशन और थाना प्रभारी दीपक सिंह चौहान के नेतृत्व में टीम ने तुरंत तलाशी अभियान शुरू किया। पुलिस टीम ने शहर के विभिन्न मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला और अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने तीनों बच्चों कैलाश (13 वर्ष) पिता राजा राजपूत, विक्रम (11 वर्ष) पिता राजा राजपूत, आरती (06 वर्ष) पिता राजा राजपूत को सकुशल ढूंढ निकाला और उनके परिजनों के हवाले किया। रेस्क्यू ऑपरेशन और त्वरित कार्रवाई में सउनि अनिल डावर और आरक्षक रुपेश की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही।

मेट्रो एंकर

नपा ने मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना विकास योजना के चतुर्थ चरण के तहत किया निर्माण कार्य शुरू

हमीरी गांव को बेतवा नदी पर पुल की सौगात, बारिश में राह होगी आसान

अजय आहूजा। मंडीदीप

औद्योगिक शहर के हमीरी गांव को लंबे इंतजार के बाद बड़ी राहत मिलने वाली है। नगर पालिका ने मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना विकास योजना के चतुर्थ चरण के तहत वेतवा नदी पर पुल का निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। यह पुल हमीरी गांव को मंडीदीप से जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर बनेगा, जिससे ग्रामीणों की सालों पुरानी समस्या दूर हो जाएगी।

नपा उपयंत्री अभिषेक बाथम ने बताया कि पुल निर्माण पर लगभग 50 लाख रुपये का खर्च आएगा और इसे मात्र छह महीने में पूरा कर लिया जाएगा। बीते 20 साल पहले पंचायत काल में इसी स्थान पर एक रपटा बनाया गया था, लेकिन हर साल बारिश में जलभराव के कारण रास्ता बंद हो जाता था। इससे आवागमन पूरी तरह ठप हो जाता था। अब पुल बनने से बारिश के दिनों में भी निर्बाध यातायात संभव हो जाएगा, जिससे लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी।

ग्रामीणों में भ्रष्टाचार का डर, गुणवत्ता पर जोर

पुल बनने की खबर के बीच ग्रामीणों में एक चिंता भी है। पिछले कुछ महीनों में मंडीदीप नगर पालिका में भ्रष्टाचार के कई मामले सामने आए हैं, जिसके चलते हमीरी गांव के निवासी दबी जुबान में कह रहे हैं कि 20 साल बाद रपटे की जगह पुल बन रहा है, लेकिन अगर निर्माण घटिया हुआ तो अगला पुल बनने में फिर 50 साल लग सकते हैं। ग्रामीणों ने नगर पालिका के जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि पुल का निर्माण निर्धारित मापदंडों और गुणवत्ता के अनुसार सख्ती से कराया जाए। वे चाहते हैं कि योजना का पैसा सही जगह पर लगे और पुल लंबे समय तक टिकाऊ रहे, ताकि आने वाली पीढ़ियों को भी इसका लाभ मिल सके।

> बेतवा नदी पर पुल का निर्माण गांव के विकास में महत्वपूर्ण साबित होगा, अब पूरे साल यातायात सुचारु रूप से चल सकेगा।
>
> **-अर्जुन मीणा**, पूर्व सरपंच हमीरी

नगरीय क्षेत्र का समुचित विकास हमारी प्राथमिकता है, इसी के तहत हमीरी गांव में वेतवा नदी पर पुल का निर्माण कराया जा रहा है।

प्रशांत जैन, मुख्य नपा अधिकारी।

शहर की मुख्य धारा से जुड़ेंगे गांव

यह पुल न केवल आवागमन को आसान बनाएगा, बल्कि क्षेत्र में विकास और सुविधाओं की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इसके बनने से हमीरी सहित इटाया, छोटा इटाया गांव से सीधे मंडीदीप से जुड़ जायेंगे। ग्रामीणों की उम्मीद है कि छह महीने में यह सौगात उन्हें मिलेगी और पुरानी परेशानियां हमेशा के लिए खत्म हो जाएंगी।

न्यूज विंडो

पंच, ब्लॉक और किक के गुर सीख रहीं छात्राएं, आत्मरक्षा में हो रहीं निपुण

तेंदूखेड़ा। ग्राम बम्हौरी पांजी शासकीय पीएम श्री एकीकृत माध्यमिक शाला में छात्राओं के सर्वांगीण विकास एवं आत्मरक्षा सशक्तिकरण के उद्देश्य से रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के साहस, आत्मविश्वास और देशभक्ति से प्रेरणा लेकर बालिकाओं को आत्मनिर्भर और सजग बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं को पंच, ब्लॉक, किक एवं विभिन्न प्रकार की आत्मरक्षा तकनीकों का व्यावहारिक अभ्यास कराया जा रहा है। प्रशिक्षक अनूप सिंह ठाकुर द्वारा अत्यंत सरल, प्रभावी एवं अनुशासित ढंग से प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, जिससे छात्राएं न केवल शारीरिक रूप से मजबूत बन रही हैं, बल्कि मानसिक रूप से भी आत्मविश्वासी हो रही हैं। प्रशिक्षण सत्रों में संतुलन, एकाग्रता, त्वरित प्रतिक्रिया और आत्मसंयम जैसे गुणों पर विशेष बल दिया जा रहा है। विद्यालय परिसर में नियमित रूप से आयोजित इन सत्रों में छात्राओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है। विद्यालय प्रशासन का मानना है कि वर्तमान समय में बालिकाओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है। यह कार्यक्रम छात्राओं को न केवल शारीरिक सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाता है, बल्कि उनमें साहस, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का भी विकास करता है।

ब्रजेश बने भगवा पार्टी के नगर अध्यक्ष

मंडीदीप। भगवा पार्टी ने अपनी संगठनात्मक विस्तार की कड़ी में एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। ब्रजेश सोनी को पार्टी के मंडीदीप नगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह नियुक्ति प्रदेश कार्यकारिणी की अनुशंसा पर की गई है। सोनी ने हाल ही में प्रदेश कार्यालय पहुंचकर नियुक्ति पत्र ग्रहण किया। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकांत शुक्ला और प्रदेश अध्यक्ष शिव कुमार भार्गव मौजूद रहे। उन्होंने ब्रजेश सोनी को बधाई देते हुए पार्टी के लक्ष्यों को मजबूत करने में उनकी भूमिका की उम्मीद जताई।

टूटने की कगार पर खड़ा रिश्ता महिला पुलिस की पहल से आपसी सुलह से बचा

धार। महिला थाना पुलिस ने एक बिखरते हुए परिवार को फिर से जोड़ दिया है। पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी के निर्देशों पर अमल करते हुए महिला थाना प्रभारी निरीक्षक क्लेर डामोर और उनकी टीम ने पति-पत्नी के बीच जारी विवाद को समझाइश के जरिए सुलझाकर उन्हें साथ रहने के लिए राजी किया। आवेदिका मुस्कान (परिवर्तित नाम) ने शिकायत दर्ज कराई थी। आवेदिका का निकाह दो वर्ष पूर्व सामाजिक रीति-रिवाजों के साथ हुआ था और उनका एक बेटा भी है। निकाह के कुछ समय बाद ही ससुराल पक्ष–पति, सास और ससुर–द्वारा उसे दहेज के नाम पर मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा। आए दिन गाली-गलौज और मारपीट से तंग आकर मुस्कान ने पुलिस की शरण ली थी। शिकायत मिलते ही महिला थाना प्रभारी निरीक्षक क्लेर डामोर ने जांच सहायक उप निरीक्षक रामसिंह गौर को सौंपी। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों को थाने बुलाया। यहां पुलिस ने पारंपरिक दंडात्मक कार्रवाई के बजाय परिवार जोड़ने की भावना से काम किया। पुलिस टीम ने दोनों पक्षों को अलग-अलग और फिर आमने-सामने बिठाकर परिवार के महत्व और बच्चे के भविष्य का वास्ता दिया। पुलिस की भरसक कोशिशों का सकारात्मक परिणाम निकला। दोनों पक्षों के बीच आपसी सुलह हो गई। पति ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए लिखित आश्वासन दिया कि वह भविष्य में पत्नी के साथ किसी भी प्रकार का वाद-विवाद या मारपीट नहीं करेगा और पति धर्म का पालन करते हुए उसे पूरे सम्मान के साथ रखेगा। मुस्कान ने भी खुशी-खुशी अपने पति के साथ वापस जाने का निर्णय लिया।

पहले विरोधियों को मारी गोली, फिर उन्हीं को फंसाने के लिए कर दी अपने भाई की हत्या

मुरैना। प्रदेश के मुरैना जिले के सराय छौला के कैंथरी गांव में फायरिंग और हत्याकांड की घटना में पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। आरोपियों ने गांव के देवेंद्र और रामौतार गुर्जर पर फायरिंग कर घायल करने के बाद उन्हें फंसाने के लिए अपने मौसी के बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने इस मामले की गहन जांच की तो पूरी सच्चाई सामने आ गई। पुलिस ने हत्याकांड में मृतक के चार रिश्तेदारों को नामजद कर दो को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल, अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ का कहना है कि, 12 फरवरी की शाम कैंथरी नहर की पुलिया के पास देवेंद्र गुर्जर और उसके रिश्तेदार रामौतार गुर्जर, अन्य पर रंजिशन गिर्राज गुर्जर निवासी रजई और उसके साथियों ने फायरिंग की थी। हमले में देवेंद्र और रामौतार घायल हो गए। दोनों को स्वजन अस्पताल ले गए। इसी बीच गिर्राज का चचेरा भाई शैलेंद्र गुर्जर अपने मौसी के बेटे सत्यवीर को गंभीर घायल अवस्था में अस्पताल लेकर आया। उसे सिर में गोली लगी थी, जिसके चलते वो गंभीर घायल था। अस्पताल में इलाके के दौरान सत्यवीर की मौत हो गई। मामले में शैलेंद्र ने बबलू गुर्जर के बेटों के साथ-साथ दो अज्ञात युवकों पर गोली मारने का आरोप लगाया। पुलिस को मामला शुरू से ही संदिग्ध लगा। घटना में सत्यवीर और शैलेंद्र के बाइक पर जाना पता चला। शैलेंद्र को खरोंच तक नहीं थी, जिनपर गोली मारने का आरोप लगा रहा था।

औबेदुल्लागंज क्षेत्र में बेखौफ चल रहा गोरखधंधा

अवैध ईंट भट्टों से पर्यावरण और जनस्वास्थ्य पर गहराता संकट

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

औबेदुल्लागंज क्षेत्र के दाहोद,बरखेड़ा, चिकलोद और देलावाड़ी जैसे वन क्षेत्रों सहित राजस्व भूमि पर अवैध ईंट भट्टों का कारोबार बेखौफ फल-फूल रहा है। नियमों को ताक पर रखकर संचालित इन भट्टों में ईंट पकाने के लिए कोयले के बजाय जहरीले केमिकल वेस्ट, प्लास्टिक कतरन और खराब डायपर का इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे निकलने वाला काला धुआं न केवल स्थानीय निवासियों के स्वास्थ्य को बिगाड़ रहा है, बल्कि रातापानी टाईगर रिज़र्व के वन्यजीवों और जंगलों का दम भी घोंट रहा है। नदी-नालों और सरकारी जमीन से मशीनों द्वारा मिट्टी की खुदाई से गहरे गड्ढे हो गए हैं, जिससे वर्षाकाल में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। भट्टा संचालक मजदूरों को प्रति हजार ईंट मात्र 900 से 1200 रुपये देकर, बाजार में उन्हें 8000 रुपये तक बेचकर मोटा मुनाफा कमा रहे हैं। हर्राई,करमई,बमनई, टिगरिया और गौतमपुर कालोनी जैसी पंचयतों में दर्जनों अवैध भट्टे होने के बावजूद खनिज और राजस्व विभाग मौन है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह प्रदूषण क्लाइमेट चेंज (जलवायु परिवर्तन) का बड़ा कारण बन रहा है, जिसकी परिणति क्षेत्र में बढ़ती भीषण गर्मी के रूप में दिख रही है। यदि जल्द ही इन पर लगाम नहीं कसी गई, तो यह पारिस्थितिक तंत्र के लिए अपूरणीय क्षति होगी।

पटवारी की रिपोर्ट प्राप्त हुई है,ईंट भट्टा मालिकों को नोटिस जारी हो चुका है। उनका जवाब आ जाता है, तो उसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। अतिक्रमण के मामले में बेदखली की कार्रवाई होगी साथ मे जुर्माना भी लगाएंगे । हमने तो नोटिस जारी कर दिया है, उनका जैसा जवाब आएगा उसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

–नीलेश सरवटे नायब तहसीलदार औबेदुल्लागंज

मृत्यु भोज की परंपरा को तोड़ते हुए तेरहवीं के पैसों से अनाथ बेटी का होगा विवाह

छतरपुर। रवींद्र व्यास

प्रदेश के छतरपुर जिले के नौगांव में एक सर्राफा व्यवसायी के परिवार ने मृत्यु भोज की परंपरा को तोड़ते हुए तेरहवीं के पैसों से एक अनाथ बेटी का विवाह कर सामाजिक सुधार का अनूठा उदाहरण पेश किया। प्रतिष्ठित व्यापारी गोपाल कठेल की 13 दिन पहले झांसी में हृदयाघात से मृत्यु हो गई थी। परिवार ने शुक्रवार को उनकी तेरहवीं के अवसर पर भव्य भोज आयोजित करने के बजाय 21 वर्षीय अनाथ लक्ष्मी अनुरागी का विवाह तय किया, जो 22 फरवरी को उसी घर में होगा जहां से पिता की अर्थी उठी थी। मृतक की बहन तृप्ति कठेल के इस निर्णय से समाज को संदेश दिया कि दिखावे के भोज से बेहतर है जीवित जरूरतमंद की मदद। कठेल परिवार ने लक्ष्मी को बेटी की तरह अपनाते हुए करीब 40 प्रकार की गृहस्थी सामग्री भेंट की तथा उसके नाम 20 हजार रुपये की फिक्स्ड डिपॉजिट भी कराई। तृप्ति ने इसे स्वर्गीय गोपाल को सच्ची श्रद्धांजलि बताया। उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव के सामाजिक सुधार अभियान से प्रेरणा लेते हुए कुप्रथाओं पर प्रहार भी किया। दुल्हन की मौसी सोमवती अनुरागी ने तृप्ति की सराहना की तथा परिवार ने सभी से अपील की कि मृत्यु भोज बंद कर असहायों की शिक्षा-विवाह में धन लगाएं, जिससे मृतात्मा को शांति मिलेगी। इस पहल ने पूरे जिले में एक नई चर्चा छेड़ दी है।

जीवंत हुई नव ग्रह शक्ति पीठ: वेद मंत्रों के बीच हुई नवग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा, समापन अवसर पर शंकराचार्य सदानंद सरस्वती बोले-

नरोत्तम पर ईश्वर की कृपा होने से ही नवग्रह शक्ति पीठ का हुआ निर्माण

डबरा/ग्वालियर। दोपहर मेट्रो

नवग्रह शक्तिपीठ पर नौ दिनों से आयोजित किए जा रहे धार्मिक अनुष्ठान का शुक्रवार को नवग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा के साथ पूर्णाहुति हुई। इस दौरान वेदमंत्रों से देवताओं का आह्वान कर यज्ञ में आहुतियां दी गईं। इसी के साथ नवग्रह शक्ति पीठ श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दी गई।

इस अवसर पर शारदा पीठ के शंकराचार्य जगतगुरू स्वामी सदानंद सरस्वती महाराज ने श्रद्धालुओं को आशीर्वचन देते हुए कहा कि मनुष्य जीवन में वे क्षण दुर्लभ होते हैं, जब उसके मन में अच्छा काम करने की इच्छा जाग्रत होती है। देवताओं का मंदिर का निर्माण करना सत्कर्म हैं। डॉ. नरोत्तम मिश्रा पर भगवान की असीम कृपा हुई कि वे नवग्रह शक्तिपीठ के निर्माण का अभूतपूर्व कार्य कर पाए। स्वामी सदानंद सरस्वती ने कहा कि अपने लिए तो हर व्यक्ति रोटी, कपड़ा और मकान की व्यवस्था कर लेता है, लेकिन जो संपूर्ण

मानव जाति के कल्याण के लिए कर्म करता है, भगवान की कृपा से ही संभव है। उन्होंने कहा कि सद्मार्ग पर चलने और ईश्वर परायणता सिद्ध करने के लिए कर्म का सहारा लेना पड़ता है। उन्होंने हिंदुओं के कर्तव्य बताते हुए कहा कि सत्य बोलना, गायत्री जाप, अतिथि सेवा, गौसेवा, कुंआ और सरोवरों का निर्माण,पुराने मंदिरों का जीर्णोद्धार एवं नए मंदिरों का निर्माण, स्कूल एवं अस्पताल बनवाना, सभी प्राणियों के कल्याण की भावना करना, शरणागत की रक्षा करना, जीव हिंसा नहीं करना, यज्ञ कराने वाले ब्राह्मणों को दक्षिणा देकर प्रणाम करना। यानि मनुष्य को जब करना चाहिए, वो सब डॉ नरोत्तम मिश्रा ने किया है।

डबरा को बना दिया धर्मनगरी

प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के दौरान देश के शीर्षस्थ संत महंतों एवं देश की विशेष हस्तियों की मौजूदगी से डबरा दस दिन तक महाकुंभ जैसा माहौल रहा। विशाल यज्ञ शाला में प्रतिदिन प्रत्येक ग्रह देवता के लिए जहां एक लाख आहुतियां दी गई। वहीं भगवान शनि के अनन्य भक्त संत दाती महाराज का अनुष्ठान भी शक्ति पीठ पर पूरे दस दिन चला। यहां हर दिन कथा के रूप में धर्म की गंगा बहती रही और शाम के वक्त रासलीला जैसे आयोजन श्रद्धालुओं की भक्ति को पुष्ट करते रहे। पहले तीन दिन में पंडित प्रदीप मिश्रा की शिव कथा, उसके बाद वाणीपुत्र डॉ. कुमार विश्वास की कथा अपने-अपने राम से भक्त भाव विह्वल होते रहे। बागेश्वर पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने अपनी हनुमंत कथा से महोत्सव की समाप्ति की, जो श्रोताओं के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बन गई। उनके दिव्य दरबार ने लोगों के कष्टों का निवारण कर वातावरण को और भी श्रद्धामय बना दिया। इसके अलावा अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक इंद्रेश उपाध्याय महाराज, साध्वी ऋतुंबरा जी, श्रीमलूक पीठाधीश्वर स्वामी श्री राजेंद्रदास जी महाराज , डॉ श्याम सुंदर पाराशर सहित अन्य संत कथावाचकों ने अपने आशीर्वचनों से पूरे दस दिन डबरा को धर्म कुंभ में बदल दिया।

आपत्तिजनक बयान से गुस्साए कांग्रेसियों ने जताया विरोध

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के द्वारा दमोह मार्ग पर शुक्रवार दोपहर में भाजपा के मंत्रियों का पुतला दहन किया गया। ब्लांक अध्यक्ष नीलेश यादव ने बताया कि भारत अमेरिका ट्रेड डील एवं मनरेगा में किए जा रहे जनविरोधी बदलावों, किसानों व मजदूरों के कानूनी अधिकारों पर हो रहे प्रहार तथा मध्यप्रदेश सरकार के तीन मंत्रियों कैलाश विजयवर्गीय, राजेंद्र शुक्ला, विजय शाह के इस्तीफे की मांग को लेकर पुतला दहन किया गया हैं। जैसे ही पुतला दहन किया गया तुरंत ही नायब तहसीलदार के आदेश पर पुलिस प्रशासन, दमकल के द्वारा पुतले में लगी आग को बुझाया गया। इस दौरान कांग्रेसियों के द्वारा जमकर नारेबाजी की गई। इस दौरान पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष रामकुमार साहू, नगर अध्यक्ष ऋषभ पप्पू सिंघई, जमना प्रसाद यादव, आशीष साहू, अमोल घोषी, नारायण सेन, रहीस खान, शोएब खान, गौरव दुबे, प्रमोद बेन, शंकर अहिरवार, ज्ञानी अहिरवार के अलावा कांग्रेस पदाधिकारी, सेवादल, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति.
NATIONAL SANSKRIT UNIVERSITY, TIRUPATI.
(A Central University established by an Act of Parliament)
भर्ती अधिसूचना / RECRUITMENT NOTIFICATION
Teaching Posts (Direct Recruitment)
(Advt.No.NSKTU/Admn./T/2025/04 dated 18-02-2026)

National Sanskrit University, Tirupati invites online applications from Indian Nationals for the Direct Recruitment of Teaching positions.

S. No.	Name of the Post	No. of Posts Vacant	No. of post&Reserved categories						Aeademic Pay Level (7th CPC)
			SC	ST	OBC	PwBD	EWS	UR	
1.	Associte Professor in Yoga Vijana	01	-	-	01*	-	-	-	13A
2.	Associate Professor in Agama	01	-	-	-	-	-	01	13A

* Backlog vacancies

The last date for submission of online applications for teaching positions is 15-03-2026. For details of posts, educational qualification, experience and other criteria, please visit the University website http://www.nsktu.ac.in.

cbc-21364/12/0004/2526

कुलसचिव / REGISTRAR

कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन)
लोक निर्माण विभाग, निर्माण भवन, प्लाट नं.-27-28, अरेरा हिल्स, भोपाल

एनआईटी नं.- 04/2026/निविदा/सा/मु.अ.भ./ भोपाल दिनांक 10.02.2026

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

स.क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रू. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2026_PWPIU_481252_1	बरेली जिला रायसेन में पशु चिकित्सालय भवन का निर्माण कार्य	रायसेन	40.13	50000	5000	06 माह (वर्षाकाल सहित)
2	2026_PWPIU_482264_1	शासकीय विधि महाविद्यालय नर्मदापुरम जिला नर्मदापुरम एवं शासकीय महाविद्यालय इंछावर जिला सीहोर के भवन में फर्नीचर उपलब्ध कराये जाने का कार्य।	सीहोर	49.81	50000	5000	03 माह (वर्षाकाल सहित)

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट बेवसाईट http://mptenders.gov.in पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन-लाईन पोर्टल पर क्रेडिट / डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑन-लाईन दिनांक 10.02.2026 समय 10.30 से दिनांक 25.02.2026 समय 05.30 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी बेबसाईट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त बेवसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य अभियंता (भवन)
लोक निर्माण विभाग भोपाल

जी-26166/25

कार्यालय कलेक्टर, जिला भोपाल

कमांक 859/ भू-अर्जन / 2025 भोपाल, दिनांक 12/02/2026

सार्वजनिक सूचना

प्र.क्र. 0749/वी-121/2024-25

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण संभाग, भोपाल द्वारा ग्राम फंदाकलां, तहसील हुजूर, जिला भोपाल के 03 कृषको की कुल किता 03 रकबा 0.1235 हे0 भूमि का सार्वजनिक प्रयोजन भोपाल के भोपाल-इन्दौर राज्य मार्ग से तुमडा मार्ग पर रेल्वे क्रासिंग कमांक 108 पर आर0 ओ0 बी0 निर्माण हेतु आपसी सहमति क्रय नीति 2014 के तहत प्रस्ताव प्रस्तुत कर क्रय किये जाने पर विचार किया जा रहा है अनुसूची में वर्णित कृषक द्वारा प्रारूप क एवं ख पर सहमति प्रदाय की गई है।

अतः निम्न अनुसूची अनुसार कृषक की भूमि का आपसी सहमति क्रय नीति 2014 के नियम 11 (1) के तहत भूमि स्वत्व के संबंध में प्रचलित प्रकरण में किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ती हो तो प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के भीतर स्वंय अथवा अभिकर्ता के माध्यम से अपनी आपत्ती इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। बाद दिनांक कोई एवं किसी प्रकार की आपत्ती स्वीकार नही की जावेगी :-

अनुसूची

क्रमांक	ग्राम का नाम	कृषक का नाम/पिता का नाम	खसरा क्रमांक	अर्जित रकबा हे. में.
1	2	3	4	5
1.	फन्दाकलां	अंजू कौशल पत्नि बनवारीलाल कौशल निवासी लुनिया चौराहा, सीहोर	15	0.0415
2.	फन्दाकलां	इमरत बाई पत्नि मानसिंह, हेमराज, सूरजसिंह पिता मानसिंह, निवासी ग्राम फन्दाकलां	13	0.0699
3.	फन्दाकलां	गौरव अग्रवाल पिता अशोक कुमार (1/2 भाग) सरोज अग्रवाल पिता प्रमोद अग्रवाल (1/2 भाग) ग्राम बरखेडा	7/3/2	0.0121

सार्वजनिक सूचना आज दिनांक 12/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी की गई।

कलेक्टर
जिला गोपाल

जी-26121/25

सुपर 8 मुकाबला : न्यूजीलैंड को चुनौती देंगे पाकिस्तान के स्पिनर

कोलंबो , एजेंसी

न्यूजीलैंड की टीम शनिवार को यहां टी-20 विश्व कप के सुपर आठ चरण ग्रुप दो के शुरुआती मैच में पाकिस्तान का सामना करेगी तो जीत के लिए सबसे अहम कारक होगा कि उसका मजबूत मध्यक्रम प्रतिद्वंद्वी टीम की स्पिन विविधता का माकूल जवाब दे सके। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज आईसीसी के इस बड़े टूर्नामेंट में अभी तक शीर्ष स्तर का खेल नहीं दिखा सके हैं जिसमें बस सलामी बल्लेबाज टिम सिफर्ट और फिन एलेन ही हैं जिन्होंने मिलकर तीन अर्धशतक लगाए हैं, लेकिन मध्यक्रम के बल्लेबाज इन दोनों का ठीक से साथ नहीं दे पाए हैं। ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मार्क चैपमैन और डेरिल मिचेल जैसे बल्लेबाज निरंतर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

फिलिप्स और रविंद्र ने हालांकि एक-एक अर्धशतक लगाया है लेकिन कुल मिलाकर उनका प्रदर्शन फीका ही रहा है। न्यूजीलैंड इस टूर्नामेंट में पहली बार कोलंबो में खेलेगा जिससे यह और मुश्किल हो सकता है। इसके विपरीत पाकिस्तान ने विश्व कप की शुरुआत से ही यहां की है और वह पहले प्रेमदासा में दो मैच खेल चुका है। पाकिस्तान के गेंदबाज खासकर स्पिनर इस धीमी पिच पर असरदार होने के लिए लेंथ और रफ्तार जानते हैं जहां शॉट लगाने के लिए हिम्मत से ज्यादा समझदारी की जरूरत होती है। इसलिए एलेन और सिफर्ट की पावरप्ले की धमाकेदार बल्लेबाजी में न्यूजीलैंड के मध्यक्रम का साथ चाहिए ताकि वे अपनी टीम को लगभग 180 या इससे ज्यादा के स्कोर तक पहुंचा सकें।

बल्लेबाजी को लेकर पाक चिंतित

पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान तारिक, अबरार अहमद, सैम अयूब, मोहम्मद नवाज और शादाब खान उसे बढ़त दिलाते हैं लेकिन बल्लेबाजी में उनकी भी अपनी चिंता हैं। टूर्नामेंट में पाकिस्तान के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले साहिबजादा फरहान (220) के बाद शादाब खान (88) दूसरे नंबर पर हैं। पाकिस्तान के बल्लेबाजों को न्यूजीलैंड जैसी अनुभवी टीम के खिलाफ मिलकर बड़ा योगदान देना होगा। लेकिन पाकिस्तान प्रबंधन को बाबर आजम (चार मैचों में 66 रन) से ज्यादा चिंता किसी और बात की नहीं है क्योंकि यह पूर्व कप्तान टी-20 बल्लेबाजों की जरूरतों को समझने में जूझ रहा है। टीम बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को शामिल करने पर भी सोचेंगे जिन्हें नामीबिया के खिलाफ जरूरी मैच के लिए बाहर कर दिया गया था।

सुपर-8 के मुकाबले

मुकाबला	दिनांक	स्थान	समय
न्यूजीलैंड vs पाकिस्तान	21 फरवरी	कोलंबो	शाम 7 बजे
श्रीलंका vs इंग्लैंड	22 फरवरी	पल्लेकेले	दोपहर 3 बजे
भारत vs सा. अफ्रीका	22 फरवरी	अहमदाबाद	शाम 7 बजे
वेस्टइंडीज vs जिम्बाब्वे	23 फरवरी	वानखेड़े (मुंबई)	शाम 7 बजे
इंग्लैंड vs पाकिस्तान	24 फरवरी	पल्लेकेले	शाम 7 बजे
श्रीलंका vs न्यूजीलैंड	25 फरवरी	कोलंबो	शाम 7 बजे
सा. अफ्रीका vs वेस्टइंडीज	26 फरवरी	अहमदाबाद	दोपहर 3 बजे
भारत vs जिम्बाब्वे	26 फरवरी	दिल्ली	शाम 7 बजे
इंग्लैंड vs न्यूजीलैंड	27 फरवरी	कोलंबो	शाम 7 बजे
श्रीलंका vs पाकिस्तान	28 फरवरी	पल्लेकेले	शाम 7 बजे
सा. अफ्रीका vs जिम्बाब्वे	01 मार्च	दिल्ली	दोपहर 3 बजे
भारत vs वेस्टइंडीज	01 मार्च	कोलकाता	शाम 7 बजे

टी-20 वर्ल्ड कप: सपनों पर सियासत का वार

बांग्लादेश के विश्वकप बहिष्कार पर फूटा कोच का गुस्सा, आसिफ नजरुल को ठहराया जिम्मेदार

नई दिल्ली , एजेंसी

बांग्लादेश क्रिकेट में इस वक्त सियासी भूचाल मचा हुआ है। टी20 विश्व कप से बाहर होने के बाद टीम के सीनियर असिस्टेंट कोच मोहम्मद सलाहुद्दीन ने पूर्व खेल सलाहकार आसिफ नजरुल पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि गलत फैसलों और यू-टर्न ने खिलाड़ियों के सपनों को चकनाचूर कर दिया।

टी20 विश्व कप में नहीं खेलने के फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए सलाहुद्दीन ने कहा कि युवा खिलाड़ियों का जीवनभर का सपना एक झटके में तोड़ दिया गया। उन्होंने खुलासा किया कि

दो खिलाड़ी तो मानसिक कोमा जैसी स्थिति में चले गए थे। उन्होंने कहा, जब कोई लड़का विश्व कप खेलने आता है, वह अपने 27 साल का सपना लेकर आता है। आप एक सेकंड में वह सपना तोड़ देते हैं। अगर यह देशहित का फैसला है तो खिलाड़ी कुर्बानी देंगे, लेकिन निजी नुकसान की बात तो करनी पड़ेगी।

बांग्लादेश ने क्यों हुआ टी20 विश्व कप से बाहर?

- बांग्लादेश विवाद की शुरुआत मुस्तफिजुर रहमान से हुई।
- नीलामी में जैसे ही केकेआर ने मुस्तफिजुर को खरीदा उसके बाद से ही सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने केकेआर, विशेषकर फ्रेंचाइजी के मालिक शाहरुख खान को घेरना शुरू कर दिया गया था।
- मामला बढ़ने पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को सामने आना पड़ा था।
- बीसीसीआई ने तीन जनवरी 2026 को केकेआर को निर्देश दिया कि वह मुस्तफिजुर को टीम से बाहर करे जिसके बाद फ्रेंचाइजी ने आधिकारिक रूप से मुस्तफिजुर को रिलीज कर दिया।
- इस कार्रवाई से बौखलाए बांग्लादेश ने भारत में खेलने को लेकर सुरक्षा चिंताओं का हवाला दिया।
- बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी से अनुरोध किया कि उनके टी20 विश्व कप 2026 के मैच भारत से हटाकर श्रीलंका में कराए जाएं।
- शुरुआती कार्यक्रम के मुताबिक, बांग्लादेश को ग्रुप स्टेज में कोलकाता में तीन और मुंबई में एक मुकाबला खेलना था।
- हालांकि, आईसीसी ने इस मांग को खारिज कर दिया और कहा कि भारत में किसी को कोई खतरा नहीं है।
- साथ ही आईसीसी ने बांग्लादेश को पहले 21 जनवरी तक का और फिर 21 जनवरी को और 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया।
- हालांकि, बांग्लादेश अपने फैसले पर अड़ा रहा, जिसके बाद आईसीसी ने उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया और उसकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया गया।

खुलेआम झूठ बोला गया

मामला तब और गरमाया जब आसिफ नजरुल के बयानों में विरोधाभास सामने आया। पहले उन्होंने कहा था कि भारत में मैच नहीं खेलने का फैसला सरकार का है। बाद में उन्होंने दावा किया कि यह फैसला बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और खिलाड़ियों के साथ मिलकर लिया गया था ताकि राष्ट्रीय गरिमा बची रहे। इस पर सलाहुद्दीन ने तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, उन्होंने खुलेआम झूठ बोला। मैं खुद शिक्षक हूं, शिक्षक आम तौर पर कम झूठ बोलते हैं। ढाका यूनिवर्सिटी जैसे शीर्ष संस्थान का व्यक्ति ऐसे बयान दे, यह हम स्वीकार नहीं कर सकते।

भारतीय हॉकी टीम आज से अपने अभियान की करेगी शुरुआत

वापसी करने पर होंगी नजरें, स्पेन के खिलाफ मैच के साथ होगा होबार्ट चरण का आगाज

होबोर्ट , एजेंसी

भारतीय पुरुष हॉकी टीम घरेलू मैदान पर बुरी तरह हारने के बाद शनिवार को स्पेन के खिलाफ मैच के साथ एफआईएच प्रो लीग के विदेशी चरण की शुरुआत करेगी। टीम नए कप्तान हार्दिक सिंह के नेतृत्व में वापसी करने और एक नई शुरुआत करने के लिए बेताब होगी। सीरीज का होबार्ट चरण 25 फरवरी तक तस्मानिया हॉकी सेंटर में होगा जिसमें मेजबान ऑस्ट्रेलिया भी शामिल है।

भारत को अर्जेंटीना और बेल्जियम से मिली थी हार- हाल में राउरकेला चरण भारतीयों के लिए सीखने का दौर साबित हुआ जिसमें उन्हें अर्जेंटीना और बेल्जियम से हार मिली। नियमित कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने अपने दूसरे बच्चे के जन्म के लिए आने वाले मैचों से ब्रेक लिया है। टीम इन मुकाबलों को आने वाले एफआईएच विश्व कप और उसके बाद के एशियाई खेलों से पहले संयोजन को परखने और लय बनाने के एक जरूरी मौके के तौर पर देख रही है। स्पेन के खिलाफ पहले मैच के बाद रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबला होना है। 24 फरवरी को उनका सामना फिर स्पेन से होगा और 25 फरवरी को ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ अंतिम मैच के साथ यह चरण खत्म होगा।

भारत और स्पेन के बीच पिछले 10 मैच का रिकॉर्ड

भारत और स्पेन अपने पिछले 10 मुकाबलों में बराबरी पर रहे हैं, दोनों ने नियमित समय में चार-चार जीत हासिल की हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार हाई-स्कोरिंग ड्रामा रहा है। मेजबान टीम अपने पिछले 10 मुकाबलों में छह जीत और दो ड्रॉ के साथ बढ़त बनाए हुए है। दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता हार्दिक उस टीम को अगुआई करेंगे जिसमें अमनदीप लाकड़ा और मनमीत सिंह जैसे युवा खिलाड़ी भी हैं। अंगद बीर सिंह, अराजित सिंह हुंडाल और आदित्य अर्जुन लालागे जैसे उभरते हुए स्टार भी फॉरवर्ड लाइन में अपनी काबिलियत साबित करने के लिए बेताब होंगे।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

नैना की कहानी मेरी भी कहानी है, संदीपा धर ने फिल्म की रिलीज पर बयां किया अपना दर्द

रोमांटिक ड्रामा फिल्म दो दीवाने सहर में सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म में मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी के अलावा अभिनेत्री संदीपा धर ने दमदार किरदार निभाया है। अभिनेत्री ने रिलीज के दिन सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने दिल की बात बयां की। अभिनेत्री संदीपा धर ने इंस्टाग्राम पर कुछ बीटीएस तस्वीरें शामिल हैं, जिनमें वे नैना के किरदार में नजर आ रही हैं। साथ ही, उनके साथ मृणाल, सिद्धांत और फिल्म के अन्य कलाकार भी नजर आ रहे हैं। संदीपा ने लिखा, नैना अब आपकी है। मैं करीब एक साल से इस किरदार के साथ जुड़ी हुई हूं। इसने मुझे उन बातों पर सोचने को मजबूर कर दिया, जिनसे मैं भागना चाहती थी।

उन्होंने लिखा कि अक्सर हम लोग किसी को पसंद आने के लिए अपने आपको बदलने लगते हैं और फिर भी लगता है कि हम अच्छे नहीं हैं। आईने में देखकर सिर्फ अपनी कमियां ही क्यों दिखती हैं? उन्होंने लिखा, नैना की कहानी मेरी कहानी है। शायद आपकी भी। मेरे पास हर सवाल का जवाब नहीं है। मैं भी सीख रही हूं, लेकिन इतना जरूर जानती हूं कि हमें बार-बार उन लोगों को अपनी वैल्यू साबित करने की जरूरत नहीं, हमें कभी समझ ही नहीं पाएंगे। हमें अपनी किस्मत खुद समझनी चाहिए।

अभिनेत्री ने पोस्ट के अंत में लिखा, अगर कभी आपको लगे कि आप काफी नहीं हैं, तो ये कहानी आपके लिए है। अगर आपने कभी किसी के लिए खुद को खो दिया, तो ये कहानी आपके लिए है। आइए, हम सब मिलकर खुद को फिर से ढूंढें। दो दीवाने सहर में अब सिनेमाघरों में उपलब्ध है।

फिल्म में रिश्तों को समझने की खूबसूरत कहानी

फिल्म दो दीवाने सहर में प्यार, रिश्तों और खुद को समझने की खूबसूरत कहानी है, जिसमें परफेक्ट होने को महत्व न देकर खुद को खुलकर जीने पर जोर दिया गया है। फिल्म में सिद्धांत ने एक ऐसे लड़के का किरदार निभाया है, जो श को भी स बोलता है, जिस वजह से उसे हर कोई आंकता है, हालांकि फिल्म का नाम भी इस वजह से दो दीवाने सहर में रखा गया है। फिल्म का निर्देशन रवि उद्यावर ने किया है। वहीं, संजय लीला भंसाली के साथ प्रेरणा सिंह, उमेश कुमार बंसल और भरत कुमार मिलकर इसे प्रोड्यूस कर रहे हैं। मृणाल और सिद्धांत के अलावा, फिल्म में इला अरुण, जॉय सेनगुप्ता, आयेशा रजा, संदीपा धर समेत कई कलाकार नजर आएंगे।

उम्र में बड़ी रिद्धि डोगरा के प्यार में एक्टर, शो में किया प्रपोज- कहा- हमेशा साथ रहूंगा

कलर्स का शो द 50 चर्चा में बना हुआ है। शो फिनाले के नजदीक है। इससे पहले लगता है शो में काफी सारा धमाल मचने वाला है। रिद्धि डोगरा और सिवेट तोमर के बीच नजदीकियां बढ़ती दिख रही हैं। सिवेट को तो फैंस ने कई दफा शो में रिद्धि संग फ्लर्ट करते देखा है। सबका मानना है वो रिद्धि को सचमुच पसंद करने लगे हैं। रिद्धि की फीलिंग्स भी बदलती हुई दिख रही है।

शो का नया प्रोमो सामने आया है जहां पर सिवेट एक्ट्रेस के लिए अपने प्यार का इजहार करते नजर आए। लॉयन ने टास्क के बारे में बताते हुए कहा कि जिस टीम का दिल ज्यादा धड़केगा, वो अपने मनी पॉट से उतने ज्यादा पैसे जमा कर सकेगा। रिद्धि डोगरा के कॉम्पिटिशन में मिस्टर फैजू इस चैलेंज को एक्सेप्ट करते हैं। एक्ट्रेस का दिल धड़काने टास्क रूम में सिवेट तोमर आते हैं। वहां आकर रिद्धि संग फ्लर्ट करते हैं। सिवेट की बातें सुनकर रिद्धि शरमाने लगीं। रिद्धि ने लॉयन के सामने दिल की बात कहते हुए कहा कि सिवेट उनके साथ बहुत फ्लर्ट करते हैं। फिर सिवेट रूम में आते हैं और घुटनों पर बैठते हैं। हाथों में रिद्धि का हाथ थामते हैं। वो कहते हैं- मेरे में अंधेरा आता नहीं, मैं उसे दूसरों में आने देता नहीं। हो गए तेरे 2 साल, 3 साल, जितने भी हो गए। मैं हमेशा तुम्हारे साथ रहूंगा। ये सुनकर रिद्धि की हंसी रुकती नहीं है। वो शरमाती हैं। शो के बाकी कंटेस्टेंट्स सिवेट-रिद्धि को देखकर हूटिंग करने लगते हैं। सिवेट रियलिटी शो स्टार, मॉडल और एक्टर हैं। वो एमटीवी रोडीज- कर्म या कांड के फर्स्ट रनरअप थे। वो एमटीवी स्प्लिट्सविला भी कर चुके हैं। सिवेट, प्रिंस नरूला को अपना मेंटर मानते हैं।

मेट्रो बाजार

भारत में यात्री वाहनों की बिक्री वित्त वर्ष 26 में 5-7 % बढ़ने का अनुमान

नई दिल्ली । भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री वित्त वर्ष 26 में 5-7 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। यात्री वाहन बाजार को मांग, जीएसटी में कटौती और नए मॉडल्स की लॉन्चिंग से फायदा हो रहा है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई। आईसीआरए की रिपोर्ट में बताया गया कि गाड़ियों की थोक बिक्री जनवरी में क्रामिक रूप से 14 प्रतिशत बढ़ी है। मजबूत घरेलू मांग को देखते हुए कंपनियों ने उत्पादन को बढ़ाया है। भारत में जनवरी में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री में पिछले वर्ष की तुलना में 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि थोक बिक्री में 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह 45 लाख यूनिट्स तक पहुंच गई। रिपोर्ट में कहा गया, ÷लगातार मांग में तेजी, जीएसटी दरों में कटौती, शादी के मौसम की मांग और नए मॉडल लॉन्च होने के कारण जनवरी 2026 में दोपहिया और यात्री वाहन दोनों सेगमेंट में घरेलू मांग में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई।÷ वित्त वर्ष 2026 जनवरी में कुल वाहन थोक बिक्री में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि खुदरा बिक्री में 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, घरेलू दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री में वार्षिक आधार पर 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो 18 लाख यूनिट तक पहुंच गई। वहीं, वित्त वर्ष 2026 के 10 महीनों (अप्रैल-जनवरी) के दौरान थोक बिक्री में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रिपोर्ट में बताया गया है कि पोंगल या मकर संक्रांति की मांग, शादी समारोह में ग्राहकों की भीड़ और बढ़ते सामर्थ्य के कारण जनवरी में खुदरा बिक्री में वार्षिक आधार पर 20.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रिपोर्ट का अनुमान है कि जीएसटी दरों में कटौती के बाद प्रतिस्थापन मांग में सुधार, शहरी खपत में धीरे-धीरे सुधार और ग्रामीण आय में वृद्धि के कारण वित्त वर्ष 2026 में घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री में वार्षिक आधार पर 6-9 प्रतिशत की वृद्धि होगी।

टैरिफ ट्रंप का सबसे बड़ा हथियार: सस्ती दवाओं के लिए फ्रांस पर बनाया दबाव

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वैश्विक व्यापार और स्वास्थ्य सेवा (हेल्थकेयर) की कूटनीति में एक नया आक्रामक रुख अपनाया है। अमेरिका में महंगी दवाओं की कीमतों को कम करने के लिए ट्रंप ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों पर दबाव बनाते हुए फ्रेंच वाइन और शैंपेन पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी है। इस कदम ने स्पष्ट कर दिया है कि ट्रंप प्रशासन व्यापारिक नीतियों का उपयोग अपनी घरेलू समस्याओं को सुलझाने और भू-राजनीतिक रणनीति के तौर पर किस हद तक कर सकता है। कीमतों में भारी अंतर और विदेशी नेताओं से बातचीत जॉर्जिया के रोम स्थित एक स्टील प्लांट में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी उपभोक्ता कुछ दवाओं के लिए दुनिया के अन्य हिस्सों की तुलना में 13 गुना अधिक कीमत चुका रहे हैं। उन्होंने विदेशी नेताओं से फोन पर बात कर अमेरिका में दवाओं की कीमतों को अन्य देशों में मिलने वाली सबसे कम कीमतों के बराबर लाने की नीति की घोषणा की। ट्रंप के अनुसार, जब उन्होंने मैक्रों को फोन करके कीमतों में बदलाव की मांग की, तो मैक्रों ने शुरुआत में यह कहते हुए इनकार कर दिया कि इससे उनका बिजनेस बंद हो जाएगा। इसके जवाब में ट्रंप ने अमेरिका में बेची जाने वाली सभी फ्रेंच वाइन और शैंपेन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की चेतावनी दी, जिसके बाद मैक्रों इस बदलाव के लिए तैयार हो गए। ट्रंप ने बताया कि उन्होंने जर्मनी और स्पेन समेत अन्य देशों से भी इसी तरह की बातचीत की और उनका दावा है कि वे देश भी इस कदम के लिए सहर्ष तैयार हो गए हैं।

मंडलेश्वर में आचमन के योग्य भी नहीं नर्मदा का पानी

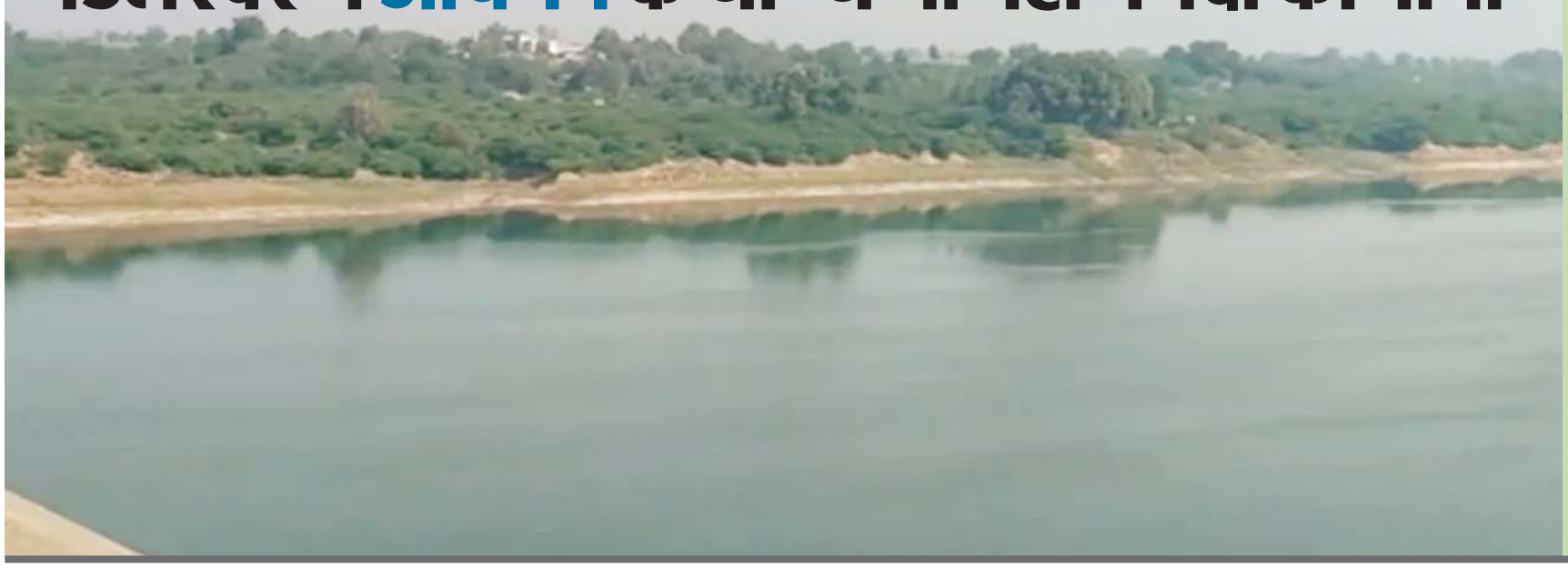

» ई-कोलाई बैक्टीरिया की मात्रा 300 से ज्यादा मिली

भोपाल। मंडलेश्वर में हजारों श्रद्धालु नर्मदा नदी के पानी से न सिर्फ स्नान करते है, साथ ही इसके पानी का आचमन भी करते हैं। हकीकत यह है कि नर्मदा का पानी आचमन के योग्य भी नहीं है। प्रदेश सरकार सिंहस्थ में शिप्रा नदी में मिल रहे दूषित पानी को रोकने के लिए करोड़ों रुपये खर्च करने जा रही हैं। हकीकत यह है कि मंडलेश्वर में नर्मदा में ड्रेनेज का मल-मूत्र मिल रहा है और इस पवित्र पानी को दूषित कर रहा है। इस पानी में ई-कोलाई बैक्टीरिया भी मिला है। ऐसे में यह पानी आचमन के योग्य भी नहीं है। विधानसभा में भागीरथपुरा मामले पर विधायकों द्वारा पूछे गए जवाब में नगर निगम के मंडलेश्वर स्थित नर्मदा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट द्वारा वर्ष 2025 में जनवरी से मई माह के दौरान नदी के पानी की जांच रिपोर्ट में नर्मदा के पानी में ई-कोलाई बैक्टीरिया की पुष्टि हुई है। इसकी मात्रा 325 से 729 एमपीएम तक मिली है। गौरतलब है कि 50 एमपीएन से कम मात्रा वाला पानी पीने योग्य माना जाता है। 50 से 500 एमपीएन प्रति 100 मिलीलीटर का पानी ब्री ग्रेड का होता है और यह पीने योग्य नहीं होता है।

न्यूज विंडो

4 दिनों तक जम्मू-कश्मीर से केरल तक 9 राज्यों में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समेत देश के अधिकांश राज्यों में ठंड कम हो गई है। दिन में तेज धूप के कारण गर्मी का एहसास हो रहा है। वहीं, रात में हल्की सर्दी पड़ रही है। गर्मी का सीजन शुरू होने से पहले एक बार फिर मौसम में बड़ा उलटफेर देखने को मिल सकता है।मौसम विभाग ने आज से अगले चार दिनों तक 9 राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है।मौसम विभाग के मुताबिक, जिन 9 राज्यों में बारिश की सबसे अधिक सभांवना है उनमें जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, तमिलनाडु, केरल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, छत्तीसगढ़, ओडिशा और कर्नाटक शामिल हैं। 21 और 22 फरवरी को दक्षिण तमिलनाडु और दक्षिण केरल में कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है।22 फरवरी और 23 फरवरी को जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में और 22 से 24 फरवरी के दौरान उत्तराखंड में हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है। वहीं, तमिलनाडु, केरल और माहे में हल्की से मध्यम बारिश, गरज-चमक और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराई 2 सगे भाइयों समेत 3 की मौत

रायपुर। रायपुर-महासमुंद मुख्य मार्ग पर देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो सगे भाइयों समेत तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा आरंग थाना क्षेत्र में आरंग नदी के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार टाटा विस्टा कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर और लोहे की रेलिंग तोड़ते हुए दुर्घटनाग्रस्त हो गई।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कार में चार युवक सवार थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वाहन काफी तेज गति में था। अचानक संतुलन बिगड़ने से कार पहले डिवाइडर से टकराई और फिर रेलिंग तोड़ते हुए सड़क किनारे पलट गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गईमृतकों की पहचान हर्ष देवांगन, राहुल देवांगन और थानू सतनामी के रूप में हुई है। इनमें हर्ष और राहुल सगे भाई बताए जा रहे हैं। सभी की उम्र 20 से 22 वर्ष के बीच थी। हादसे में मिथलेश धीवर गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है और डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज जारी है।

दिल्ली में तेज रफ्तार का कहर कार ने ली डिलीवरी बॉय की जान

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर इलाके में शुक्रवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में एक कंपनी के एक डिलीवरी बॉय की मौत हो गई। सुभाष नगर मेट्रो रेड लाइट के पास एक तेज रफ्तार कार ने स्कूटी सवार को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे स्कूटी सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है और चालक को गिरफ्तार कर लिया है।यह घटना सुबह करीब तीन बजे हुई। मृतक की पहचान रघुवीर नगर निवासी हेम शंकर के रूप में हुई है, जो एक नामी कंपनी में डिलीवरी बॉय के तौर पर काम करता था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज गति से आ रही एक कार ने पीछे से हेम शंकर की स्कूटी को टक्कर मारी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कूटी और कार दोनों बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं।तिलक नगर थाना पुलिस को घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची। पुलिस ने तुरंत घायल हेम शंकर को नजदीकी दीनदयाल उपाध्याय (डीडीयू) अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा-80 देशों के हस्ताक्षर करने की है उम्मीद

आज जारी होगा एआई पर दिल्ली डेक्लरेशन

नई दिल्ली, एजेंसी

आज जारी होने वाले एआई इंपैक्ट समिट को लेकर सरकार की उम्मीद है कि इस पर 80 देशों के हस्ताक्षर होंगे। इस बात की जानकारी केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस समिट से जुड़ी क्लोजिंग प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। वैष्णव ने कहा कि बीते साल पेरिस एक्शन समि में आउटकम डॉक्यूमेंट पर 60 देशों ने हस्ताक्षर किए थे और जहां तक दिल्ली डेक्लेरेशन की बात है, अभी तक 70 देश इस पर अपनी सहमति जताते हुए साइन कर चुके हैं।

उन्होंने कहा कि अभी कई देशों के मंत्री यहां हैं और वो लगातार चर्चा कर रहे हैं। वैष्णव ने कहा कि ऐसे में जब 21 फरवरी को समिट का समापन होगा तो उम्मीद है कि इस पर हस्ताक्षर करने वाले करीब 80 देश होंगे। हालांकि वैष्णव ने बताया कि सारे बड़े देशों ने डेक्लेरेशन पर हस्ताक्षर कर दिए हैं और अब बस डॉक्यूमेंट जारी करने की औपचारिकता ही बची है। उन्होंने कहा कि इस मसले पर कई करार और एमओयू हुए और पूरी दुनिया इस पर काम करेगी।

5 लाख लोगों ने लिया ढ्ढ समिट में हिस्सा

वैष्णव ने समिट की भागीदारी के बारे में बात करते हुए कहा कि पांच लाख से ज्यादा लोगों ने इसमें हिस्सा। भारत ने बतौर बड़े एआई खिलाड़ी अपनी क्षमताएं जाहिर की। समिट में बहुत अच्छे सेशन हुए। वैष्णव ने कहा कि भारत 20 लाख लोगों को प्रशिक्षित करेगा , लेकिन इसका क्या फॉर्मेट बनना है, इसे लेकर इंडस्ट्री से बात हो रही है। वैष्णव ने पैक्स सिलिका अलायंस को लेकर भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि रिजिलियंट सप्लाई चेन के लिए जरूरी है। हम एक विश्वसनीय साझेदार की तरह देखे जाते हैं।

कांग्रेस की नकारात्मकता को युवाओं ने नकारा

इस दौरान वैष्णव ने यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन का जिक्र किया। वैष्णव ने कहा कि भले ही कांग्रेस ने समिट को बाधित करने की कोशिश की हो, लेकिन युवाओं ने उनकी नकारात्मकता को खारिज कर दिया। वैष्णव ने इस प्रदर्शन को दुखद और हास्यास्पद करार दिया। युवाओं ने संदेश दे दिया कि ये समिट उनके लिए है और देश का युवा एआई इकोसिस्टम को लेकर बेहद उत्साहित और आशावान है। उन्होंने इस दौरान देश के सोवर्न मॉडल को लेकर एआई लीडर्स में उत्सुकता का जिक्र किया । उन्होंने कहा कि बहुत कम रिसोर्सेस में ये मॉडल बनाए गए हैं।

कुछ गलत चुनाव हुए हैं...

वैष्णव ने इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में गलगोटिया यूनिवर्सिटी के विवाद का बिना नाम लिए जिक्र किया। उन्होंने माना कि कुछ बुरे चुनाव हुए हैं। लेकिन सरकार तुरंत ऐसे लोगों पर एक्शन भी लिया, जिन्होंने एआई से जुड़े अच्छे काम को कमतर करने की कोशिश की। बता दें बीते दिनों एक्सपो में गलगोटिया यूनिवर्सिटी की ओर से चीनी रोबोटिक डॉग के डेमो को लेकर विवाद हुआ था ।ूनिवर्सिटी ने इस प्रॉडक्ट को अपना आविष्कार बताया था। इससे जुड़ा वीडियो वायरल होने पर यूनिवर्सिटी को एक्सपो से बाहर कर दिया गया। वैष्णव ने कहा कि सरकार अंत्योदय में विश्वास करेंगे। वैष्णव ने कहा कि इस समिट में बड़े एआई खिलाडी एक मंच पर आए और अपनी बात कही। मंत्री ने कहा कि कई पॉलिसी लीडर इस बात से हैरान थे कि कैसे एआई के सभी आयामों को भारत साथ लेकर आया है।

भिवंडी कोर्ट में हुए पेश राहुल गांधी

ठाणे, एजेंसी

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शनिवार को महाराष्ट्र के ठाणे जिले की भिवंडी मजिस्ट्रेट अदालत में पेश हुए। राहुल गांधी यहाँ अपने खिलाफ चल रहे ऋस् मानहानि मामले में एक नया ज़मानतदार पेश करने के लिए पहुँचे थे।

अदालत ने राहुल गांधी को नया ज़मानतदार पेश करने का निर्देश दिया था क्योंकि उनके पिछले ज़मानतदार, पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल का पिछले साल दिसंबर में निधन हो गया था। कानूनी प्रक्रियाओं के अनुसार, पुराने ज़मानतदार के न रहने पर नया गारंटर नियुक्त करना अनिवार्य था।

यह है पूरा मामला

यह मानहानि का मामला 2014 के लोकसभा चुनावों के दौरान का है।

आरएसएस कार्यकर्ता राजेश कुंते ने राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप है कि भिवंडी के सोनाले गाँव में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा था कि महात्मा गांधी की हत्या के पीछे 'संघ' का हाथ था। इसी बयान को लेकर कुंते ने उन पर मानहानि का मुकदमा किया था।

पाकिस्तान में भूकंप के जोरदार झटके, घरों से निकलकर भागे लोग

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कई इलाकों मेंभूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके इतने जोरदार थे कि पेशावर और इस्लामाबाद जैसे शहरों में भी लोगों को भूकंप महसूस हुआ। भूकंप के झटकों की वजह से लोग शाम के समय अपने घरों से निकलकर बाहर की ओर भाग निकले। हालांकि इस भूकंप में किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं मिली है। जानकारी के मुताबिक भूकंप की तीव्रता 5.9 दर्ज की गई है। इसके अलावा पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान में था।दरअसल, पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब प्रांतों के कुछ हिस्सों में भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए।

संघ से जुड़ने के दिए पांच मंत्र

बंधुत्व से मिटेगा भेदभाव यूजीसी पर भागवत मौन

मेरठ, एजेंसी

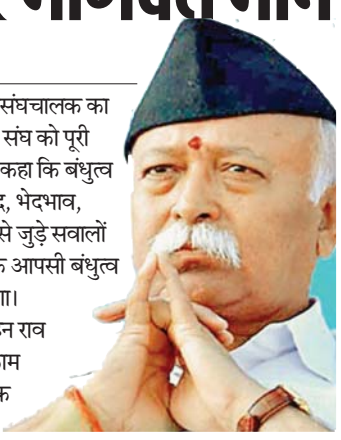

मेरठ में खिलाड़ी संवाद गोष्ठी में सरसंघचालक का पूरा जोर हिंदू समाज की एकता और संघ को पूरी तरह से जानने पर रहा। उन्होंने साफ कहा कि बंधुत्व की भावना से ही समाज से जातिवाद, भेदभाव, असमानता मिट सकती है। यूजीसी से जुड़े सवालों पर वह मौन रहे। उनका कहना था कि आपसी बंधुत्व की भावना से ही समाज एकजुट होगा।

खिलाड़ियों से संवाद में डॉ. मोहन राव भागवत ने साफ कहा कि संघ का काम केवल अपना नाम नहीं करना, बल्कि देश का नाम बड़ा करना है। हिंदू समाज में आ रहे विघटन व अलगाव को दूर करने के लिए उन्होंने कहा कि बंधुत्व की भावना से भेदभाव, असमानता, जातिवाद का अलगाव दूर किया जा सकता है। संघ के 100 वर्षों की यात्रा हिंदू समाज को संगठित करने पर केंद्रित रही है। खिलाड़ियों के प्रश्नों के उत्तर देते हुए उन्होंने साफ कहा कि संबंधित लोग स्थानीय स्तर पर खेल जगत के लोगों के साथ सहयोग करके चिंतन करें। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि केवल खेल और राजनीति से संघ को नहीं समझा जा सकता। संघ को समझने के लिए उसके भीतर आकर काम करना होगा। डॉ. हेडगेवार के बारे में उन्होंने कहा कि उस समय अक्सर एक बात कही जाती थी कि चार हिंदू कभी एक साथ एक दिशा में नहीं चल सकते। वह तभी साथ चल सकते हैं जब पांचवां हिंदू कंधे पर हो। ऐसी सब बातों पर गहनता से विचार करके हिंदू समाज को एकजुट करने के लिए संघ स्थापना की।

धनुष, तीर और बंदूकें: एआई की मदद से पकड़े गए 39 शिकारी

मयूरभंज, एजेंसी

ओडिशा वन विभाग ने वन्यजीव अपराध के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए मयूरभंज जिले के सिमिलिपाल वन्यजीव अभयारण्य से 39 शिकारियों को गिरफ्तार किया है। यह पूरी कार्रवाई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ढ्ढ) से लैस निगरानी कैमरों की मदद से संभव हो सकी। जानकारी के अनुसार, सिमिलिपाल अभयारण्य के दक्षिण डिवीजन के भीतर इन शिकारियों की

गतिविधियां एआई कैमरों में कैद हुईं। जंगल में लगाए गए ये अत्याधुनिक कैमरे 24 घंटे रियल टाइम मॉनिटरिंग करते हैं। जैसे ही कैमरों ने संदिग्ध गतिविधि दर्ज की, सिस्टम ने उनकी सटीक लोकेशन और समय की जानकारी वन अधिकारियों को तुरंत उपलब्ध करा दी।एआई सिस्टम से मिले अलर्ट के बाद स्पेशल टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स और वन विभाग की टीम ने तुरंत ज्वाइंट ऑपरेशन चलाया। जंगल के अंदर घेराबंदी कर छापेमारी की गई, जिसमें कुल 39 लोगों को पकड़ा गया।

मेट्रो एंकर — इंटरपोल की शिकायत से खुला राज, जेई और उसकी बीवी को करतूत की सजा

50 मासूमों से यौन शोषण: जज बोले- मरते दम तक फंदे पर लटकाओ

गाजियाबाद, एजेंसी

यूपी के बांदा जिले की विशेष अदालत ने 50 बच्चों के यौन शोषण और उनकी अश्लील तस्वीरें व वीडियो वायरल करने के घृणित मामले में सिंचाई विभाग के निलंबित जेई रामभवन और उसकी पत्नी दुर्गावती को फांसी की सजा सुनाई है। अदालत ने तीसरे आरोपी की फाइल अलग कर दी। उस पर ई-मेल के माध्यम से जानकारी साझा करने का आरोप है। जमानत मिलने के बाद यह जेल से बाहर है।

विशेष पॉक्सो अदालत के न्यायाधीश प्रदीप कुमार मिश्रा ने 163 पेज के विस्तृत फैसले में इस घिनौने अपराध को जघन्यतम करार दिया। कोर्ट ने कहा, कई जिलों में बड़े पैमाने पर अपराध को अंजाम दिया गया।

दोषियों का नैतिक स्तर पर हद दर्ज तक

नीचे गिरना इसे असाधारण और घिनौना अपराध बनाता है। इनमें सुधार की कोई गुंजाइश नहीं है, इसलिए कड़ी से कड़ी सजा की जरूरत है। कोर्ट ने यूपी सरकार को पीड़ित बच्चों को 10-10 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया।

बच्चों के बयान ने खोली हकीकत, किसी की आंख तो किसी की भौं हुई तिरछी...

सीबीआई द्वारा की गई जांच में 50 बच्चों के साथ हुए जघन्य यौन शोषण का पर्दाफाश हुआ है। कोर्ट में बयान देते समय बच्चे डरे-सहमे थे लेकिन गहन पूछताछ और दुलार के बाद उन्होंने जो दर्दनाक हकीकत बयां की, उसने समाज को झकझोर कर रख दिया। पीड़ित बच्चों ने बताया कि आरोपी उन्हें पीटता था और उनके साथ गंदा काम करता रहता था। जब वे भागने की कोशिश करते, तो महिला आरोपी दरवाजा बंद कर देती और उन्हें कई दिनों तक बंधक बनाकर रखती थी। एम्स में भर्ती कराए गए बच्चों की हालत अत्यंत चिंताजनक थी। उनमें से कुछ की आंखें तिरछी हो गई थीं, भौंहें अपनी जगह से हट गई थीं, और उनके नाजुक अंग भी गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त मिले। इन बच्चों का उपचार अब भी जारी है। यह दुखद है कि सर्वाधिक पीड़ित बच्चे हमीरपुर जिले के रहने वाले हैं।

साथ ही, आरोपियों के घर से बरामद राशि को भी पीड़ित बच्चों में समान रूप से वितरित करने के निर्देश दिए। कोर्ट ने रामभवन को अलग-अलग धाराओं में दोषी पाते हुए 6.45 लाख रुपये का जुर्माना लगाया, जबकि उसकी पत्नी दुर्गाचती पर 5.40 लाख रुपये का अर्थदंड लगाया गया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564